



हरियाणा की जनता भाजपा सरकार के विकसित हरियाणा बनाने के मिशन में जुड़ चुकी है : नायब सैनी

समाचार गेट ब्यूरो
चंडीगढ़। कर्नाल रोड शो में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि उमड़ा जनसैलाब भाजपा सरकार में लोगों के विश्वास और आकांक्षाओं का प्रतीक है। हरियाणा की जनता भाजपा सरकार के विकसित हरियाणा बनाने के मिशन में जुड़ चुकी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के हर बूध पर कमल खिलेगा। रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पत्रकारों से भी बात की और कांग्रेस को भ्रष्टाचार के मामले में घेरा।

हर बूध पर कमल खिलेगा और तीसरी बार भाजपा सरकार बनेगी : नायब सैनी

कर्नाल में रोड़ शो में उमड़ी भीड़, सीएम सैनी ने कहा - कर्नाल की जनता का आशीर्वाद है



कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा, पूर्व महापौर रेंजू बाला गुप्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक सुखिया सहित अन्य प्रमुख नेता भी मौजूद रहे। रोड शो के दौरान जगह-जगह मुख्यमंत्री ने लोगों से संवाद भी किया और हाथ जोड़कर भाजपा के लिए वोट देने की अपील की। रोड शो में कार्यकर्ताओं और आम लोगों के हाथों में भाजपा के झंडों ने माहौल को भाजपात्मक बना दिया। कार्यकर्ता मोदी, मनोहर और नायब सिंह सैनी जिंदबाद, भारत माता के जयकारे लगाते हुए चलते रहे। रोड शो में उमड़ी भीड़ से गदगद सीएम सैनी ने कहा कि लोगों का उत्साह बता रहा है कि कर्नाल की सभी विधानसभाओं में 4 अक्टूबर को कमल खिलने जा रहा है।

रोड शो में लोगों के जबरदस्त जोश और उत्साह को देखकर सीएम सैनी ने सभी लोगों का आभार जताते हुए कहा कि मैं आप लोगों से मिले प्यार और आभारिता से अभिभूत हूँ। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा प्रदेश की जनता का समर्थन और आशीर्वाद दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि भाजपा के कार्यकर्ताओं की मेहनत और जन आशीर्वाद से 4 अक्टूबर को भाजपा बड़े मैजेट के साथ तीसरी बार सरकार बना रही है। रोड शो के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि कर्नाल के लोगों से मैं बहुत प्यार और स्नेह करता हूँ। कर्नाल के लोगों का भरपूर आशीर्वाद मेरे साथ है। कर्नाल की भूमि को प्रणाम करते हुए सीएम सैनी ने कहा कि मेरे लिए परम सीमाय की बात है कि कर्नाल के लोगों का खूब आशीर्वाद मिल रहा है और आगे भी मिलता रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 4 अक्टूबर को परिणाम भाजपा के पक्ष में आ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा के अंदर डबल इंजन की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार को पौएम मोदी के साथ मिलकर हरियाणा के विकास की गति को और तेजी से बढ़ते हुए विकसित

भारत में अपनी प्रमुख भूमिका अदा करेगी। पत्रकार के सवाल पर सीएम सैनी ने कहा कि हमने प्रत्याशियों के नामों की सूची को केंद्रीय नेतृत्व के पास भेज दिया है। अब पॉलिसीमेंट बोर्ड प्रत्याशियों के नाम तय करेगा। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति कमल का फूल लेकर आएगा उसको हमारे कार्यकर्ता जिताने का काम करेंगे। हुड्डा पर ईडी की जांच के मामले को लेकर पूछे गए एक सवाल पर उन्होंने कहा कि जो भ्रष्टाचार में लिप्त होता है ईडी उसी पर कार्रवाई करती है। चुनाव लड़ने के एक सवाल पर सीएम सैनी ने हंसे हुए कहा कि चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है मैं कर्नाल से ही चुनाव लड़ूंगा।

प्रदेश में बेरोजगारी का आलम ये की युवाओं को शोसल मीडिया पर चलाना पड़ रहा हरियाणा मांगे रोजगार अभियान : डॉ. सुशील गुप्ता

अभियान में 2.11 लाख ने किए टवीट, अब प्रदेश का युवा जाग चुका : डॉ. सुशील गुप्ता

ग्राम सचिव, पटवारी जैसे पदों की भर्ती 12 साल से लंबित : डॉ. सुशील गुप्ता

बीजेपी ने 10 साल हरियाणा के युवाओं को लूटने के अलावा कुछ नहीं किया : डॉ. सुशील गुप्ता

इस बार प्रदेश के युवा ही बीजेपी का सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएंगे : डॉ. सुशील गुप्ता



बीजेपी सरकार ने युवाओं को पहले ही नौकरी दी होती तो अब आदर्श चुनाव आचार संहिता का बहाना बनाकर पांच साल से लंबित भर्तियों से पल्ला नहीं झाड़ना पड़ता। हरियाणा बेरोजगारी में देश में पहले स्थान पर है और हरियाणा को बेरोजगार रखने में बीजेपी सरकार भी पूर्ण भागीदार है। उन्होंने कहा कि युवाओं ने दावा किया है, कुछ भर्तियां तो 12 साल से लंबित है। कुछ इनमें से कुछ भर्तियां जैसे ग्राम सचिव, पटवारी जैसे पदों की भर्ती तो 12 साल से लंबित है। पिछले 12 साल से लंबित होने के कारण हरियाणा के बेरोजगार युवा बीजेपी सरकार के

मेरे लिए विधायक बनना महत्वपूर्ण नहीं, भाजपा की सरकार बनाना महत्वपूर्ण : पं. मोहनलाल कौशिक

भाजपा के हर समर्पित कार्यकर्ता के लिए कमल का फूल उम्मीदवार : मोहनलाल कौशिक

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का दावा - हरियाणा में भाजपा हैट्रिक लगाएगी

भाजपा कार्यकर्ता के लिए टिकट मिलना या ना मिलना मायने नहीं रखता, कमल का फूल मायने रखता है - बड़ौली



समाचार गेट ब्यूरो
चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि मेरे लिए चुनाव लड़ना या विधायक बनना महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि पार्टी को चुनाव जिताने तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मैं 90 की 90 विधानसभाओं में चुनाव लड़ रहे भाजपा कार्यकर्ताओं को चुनाव जिताने के लिए मेहनत करूंगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हमारी सरकार ने कांग्रेस के कुशासन को खत्म कर सुशासन स्थापित किया है। बिना पर्ची और बिना खर्चों के युवाओं को नौकरी देकर युवाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाया है। किसान हित में अनेकों योजनाएं चलाई जिस कारण हरियाणा का किसान मजबूत हुआ है। गरीब लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठा है। महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने का काम भाजपा सरकार ने किया है। पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता सरकार की 10 साल की उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच जा रहे हैं। हरियाणा में माहौल भाजपा के पक्ष में है। हरियाणा की राष्ट्र भक्त जनता ने इस बार भी भाजपा को आशीर्वाद देने का पूरा मन बनाया हुआ है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत से हरियाणा में फिर से कमल का फूल खिलेगा और नायब सिंह सैनी मुख्यमंत्री बनेंगे।

बीजेपी ने वेंटिलेटर पर पहुंचाई प्रदेश की स्वास्थ्य सेवा : हुड्डा

समाचार गेट ब्यूरो
चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि बीजेपी ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को वेंटिलेटर पर पहुंचा दिया है। क्योंकि आज अस्पतालों में ना तो दवा है और ना डॉक्टर। स्वास्थ्य सेवाओं में करीब 20 हजार पद खाली पड़े हैं। प्रदेश के अस्पतालों में 14000 डॉक्टरों की कमी है। गांवों में विशेषज्ञ डॉक्टरों के करीब 94 प्रतिशत पद खाली पड़े हुए हैं। स्टॉफ और सुविधाओं के अभाव में रोज हजारों मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ हो रहा है। हुड्डा ने कहा कि अस्पतालों में मरीजों को लेब टेस्ट के लिए भी कई-कई दिन चक्कर काटने पड़ते हैं या मजबूरी में प्राइवेट लेब में जाना पड़ता है। डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइन के मुताबिक प्रति 1000 लोगों पर एक डॉक्टर होना चाहिए, लेकिन हरियाणा में 2035 लोगों पर एक डॉक्टर है। 200 लोगों पर एक बेड की व्यवस्था होनी चाहिए, लेकिन प्रदेश में 2086 लोगों पर एक बेड उपलब्ध है। इस वजह से काफी जगह देखने में आता है कि एक एक बेड पर दो-दो, तीन-तीन मरीज लेते हैं और फर्श पर डिलीवरी हो रही है। प्रदेश में सैनियर मेडिकल ऑफिसर, मेडिकल ऑफिसर, डॉटल सर्जन के 5253 में से 1100 से ज्यादा पद खाली पड़े हैं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि 2014 में भाजपा ने वादा किया था कि वो सत्ता में आते ही हर जिले में मेडिकल कॉलेज बनाएगी। हकीकत यह है कि पिछले 10 साल में भाजपा द्वारा घोषित एक भी नया मेडिकल कॉलेज पूरा बनकर शुरू नहीं हो सका है। कांग्रेस कार्यकाल में बने संस्थान ही लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में एक हेल्थ यूनिवर्सिटी और छह



मेडिकल कॉलेज बनाए थे। प्रदेश की पहली मेडिकल यूनिवर्सिटी भी कांग्रेस के समय में ही खोली गई थी। आजादी के बाद देश में महिलाओं के लिए पहला सरकारी मेडिकल कॉलेज सोनीपत के खानपुर में कांग्रेस ने खोला था। कांग्रेस ही इन्फ्रम में एम्स 2 और नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट लेकर आई थी। आज ये तमाम संस्थान हरियाणा के साथ-साथ कई प्रदेश के लोगों के लिए वारदान साबित हो रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ, कांग्रेस

सरकार ने इन्फ्रम एम्स-2 के साथ जो राष्ट्रीय स्तर के 10 संस्थान मंजूर करवाए थे, भाजपा ने इन्हें भी रद्द करवा दिया। यदि वे संस्थान इन्फ्रम में बन जाते तो प्रदेश के लोगों को बहुत फायदा मिलता। लेकिन बीजेपी ने हमेशा लोगों को जान जोखिम में डालने का काम किया। यह वो सरकार है जो कोरोना काल में लोगों को ऑक्सीजन, दवाई और इलाज के अभाव में तड़प-तड़पकर मरते हुए देखती रही। लेकिन उसने कोई कदम नहीं उठाया। संवेदनहीनता की हदें पार करते हुए बीजेपी ने विधानसभा में यहां तक बोल दिया कि कोरोना काल में ऑक्सीजन की कमी से किसी की मीत ही नहीं हुई। कांग्रेस ने इसपर कमेटी बनाकर जांच की मांग की तो सरकार उस जांच को भी दबाकर बैठ गई। हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने तेज गति से प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को विस्तार दिया था। बड़े संस्थानों की स्थापना के साथ गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने के लिए हमारी सरकार ने 641 कम्प्यूनिटी हेल्थ सेंटर (सीएचसी) व प्राइमरी हेल्थ सेंटर (पीएचसी) बनाए हैं। लेकिन भाजपा सरकार में नए सीएचसी व पीएचसी खुलना तो दूर, ये सरकार पुराने बनाए गए हेल्थ सेंटरों को मरम्मत तक नहीं करवा पाई। कई जिला अस्पतालों की बिल्डिंगों का कंडम हो चुकी हैं। डॉक्टरों की कमी की वजह से यह रेफरल सेंटर बन गए हैं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया कि भाजपा सरकार ने हरियाणा के मेडिकल स्टूडेंट्स के भविष्य के साथ भी खिलवाड़ किया है। एमबीबीएस करने वाले बच्चों पर सरकार ने 40 लाख रुपए के बैंड की शर्त थोप दी। यानी बीजेपी नहीं चाहती कि किसी गरीब या मध्यमवर्गीय परिवार का कोई बच्चा डॉक्टर बन पाए।



उसे गुमराह नहीं किया जा सकता, दस साल से खून का घूंट पी रही जनता ने अब भाजपा सरकार को चलता करने का मन बना लिया है और इस चुनाव में वोट की चोट से भाजपा को जनता सबक सिखाकर रही रहेगी। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानकों के अनुसार प्राणीय इलाकों में हर नागरिक को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए पांच हजार की आबादी पर एक उप स्वास्थ्य केंद्र, 30 हजार की आबादी के लिए

एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और 80 हजार से 1.20 लाख की आबादी पर एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) होना चाहिए। प्रदेश में 2667 उपस्वास्थ्य केंद्र, 532 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 128 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित हैं। वर्तमान आबादी की जरूरतों के हिसाब से 634 उपस्वास्थ्य केंद्रों, 81 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और 53 सामुदायिक केंद्रों की कमी बनी हुई है। वर्तमान में स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा जितना होना चाहिए, उतना नहीं है। जितना है उनमें भी स्पेशलिस्ट डॉक्टरों, स्टाफ नर्सों, रेडियोग्राफरों, फार्मासिस्टों, लैब तकनीशियनों और मल्टीस्पेशलिस्टों की भारी कमी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार एक सीएचसी में छह विशेषज्ञ डॉक्टरों (एक सर्जन, एक स्त्री रोग, एक फिजिशियन, एक शिशु रोग, एक हृदय रोग और एक नेवरोलॉजी) होना चाहिए।

राजनीतिक दल दूरदर्शन व आकाशवाणी पर कर सकते हैं प्रचार-प्रसार : मुख्य निर्वाचन अधिकारी

समाचार गेट ब्यूरो
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री पंकज अग्रवाल ने बताया कि हरियाणा विधानसभा के चुनाव के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय व क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के लिए दूरदर्शन व आकाशवाणी के क्षेत्रीय केंद्रों से चुनाव प्रचार-प्रसार करने का समय निर्धारित किया है। श्री पंकज अग्रवाल ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा 6 राष्ट्रीय तथा हरियाणा के 2 क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के समय का आवंटन किया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय दलों में भारतीय जनता पार्टी, इंडियन नेशनल कांग्रेस, भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), बहुजन समाज पार्टी,

राष्ट्रीय पीपुल्स पार्टी तथा आम आदमी पार्टी शामिल है। इसके अलावा, क्षेत्रीय दलों में इंडियन नेशनल लोकदल तथा जननायक जनता पार्टी शामिल है। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा टेलीविजन व रेडियो के माध्यम से प्रचार-प्रसार के लिए निःशुल्क उपयोग करने की अनुमति 1998 के आम चुनाव में दी गई थी, तदुपरान्त इनका उपयोग राज्यों के विधानसभा सभा / आम चुनाव के लिए बढ़ाया गया था। जनप्रतिनिधि अधिनियम, 1951 में चुनाव और अन्य संबंधित कानून (संशोधन) अधिनियम, 2003 और उसके तहत अधिमंचित नियमों के संशोधनों के साथ, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर प्रचार के लिए समान समय संज्ञा करना वैधानिक हो चुका है। इसलिए, आयोग ने प्रसार भारतीय निगम के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर समान समय संज्ञा करने की उक्त योजना को हरियाणा विधानसभा के आम चुनाव, 2024 में उपयोग करने की अनुमति दी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आकाशवाणी व दूरदर्शन पर राजनीतिक दलों को प्रचार-प्रसार के लिए कुल समय 720-720 मिनट का आवंटन किया है। उन्होंने बताया कि आकाशवाणी व दूरदर्शन पर राष्ट्रीय दलों में भारतीय जनता पार्टी को 197 मिनट, इंडियन नेशनल कांग्रेस को 162, भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) 45 मिनट,



बहुजन समाज पार्टी 62 मिनट, राष्ट्रीय पीपुल्स पार्टी को 45 मिनट तथा आम आदमी पार्टी को 47 मिनट का स्लॉट निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार, क्षेत्रीय दलों में इंडियन नेशनल लोकदल को 55 मिनट तथा

श्री पंकज अग्रवाल ने बताया कि प्रत्येक राष्ट्रीय पार्टी और संबंधित मान्यता प्राप्त राज्य दलों को 45 मिनट का आधार (बेस) टाइम दिया गया है, जो हरियाणा में दूरदर्शन और आकाशवाणी नेटवर्क के क्षेत्रीय केंद्रों पर समान रूप से उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा पार्टी को आवंटित किया जाने वाला अतिरिक्त समय हरियाणा के पिछले विधानसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन के आधार पर तय किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रसारण के एक सत्र में किसी भी पार्टी को 15 मिनट से अधिक समय आवंटित नहीं किया जाएगा। प्रसारण और टेलिकास्ट की अवधि चुनाव के लिए उम्मीदवारों

को सूची के प्रकाशन की तिथि से लेकर हरियाणा में मतदान की तिथि से दो दिन पहले तक होगी। प्रसारण के लिए आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का राजनीतिक दलों को करना होगा पालन। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रसारण के लिए आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा। उन्होंने बताया कि पार्टियों को पहले से ही प्रतिलेख और रिकॉर्डिंग प्रस्तुत करनी होगी। उन्होंने बताया कि वैकल्पिक रूप से, वे पहले से अनुरोध करके दूरदर्शन और आकाशवाणी के स्टूडियो में इसे रिकॉर्ड करवा सकते हैं।

प्रसारण में अन्य देशों, धर्म, समुदायों व व्यक्ति विशेष की आलोचना करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने बताया कि आयोग के दिशा निर्देशानुसार दूरदर्शन व आकाशवाणी पर प्रसारित होने वाले प्रसारणों में अन्य देशों की आलोचना, धर्म या समुदायों पर चर्चा, कोई भी अस्थील या अपमानजनक बात करना, हिंसा भड़काना, न्यायालय की अवमानना के संबंध में, राष्ट्रपति और न्यायपालिका की अखंडता पर आक्षेप, राष्ट्र की एकता, संप्रभुता और अखंडता को प्रभावित करने वाली कोई भी बात और किसी भी व्यक्ति के नाम से कोई आलोचना करने की अनुमति नहीं होगी।

एटीएम कार्ड से 24 हजार की नगदी

निकाली, पुलिस को दी शिकायत

समाचार गेट हरिओम भारद्वाज

होडल बिजली विभाग में लाईनमैन के पद पर कार्यरत गांव घासेडा निवासी व्यक्ति के एटीएम से 24 हजार रुपए निकाले जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पीड़ित जब मामले की शिकायत देने होडल थाने पहुंचा तो वहां से पलवल क्राईम ब्रांच में शिकायत देने के लिए भेज दिया। जब वह पलवल क्राईम ब्रांच पहुंचा तो वहां से उसे बताया गया कि यह मामला होडल थाने का है तो वहां पर शिकायत दर्ज कराए। घटना 13 अगस्त की बताई गई है, लेकिन अभी तक मामला दर्ज नहीं हो सका है। गांव निवासी टोकाराम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 11 अगस्त की वह अपनी बाईक को होडल के गोडोला चौक स्थित वाहिद मिस्त्री की दुकान पर सही करने के लिए खड़ी करके घर चला गया। दूसरे दिन मिस्त्री ने उसे सूचना दी कि बाईक में कागज रखे हुए हैं जिसमें उसका एटीएम कार्ड भी था। शिकायत में बताया कि 13 अगस्त को उसके एटीएम से कई बार में 24 हजार रुपए निकाल लिए। खबर लिखे जाने तक मामला दर्ज नहीं हो सका था।

व्यक्ति ने हाईकोर्ट के सम्मन फाइल कर कोर्ट कर्मचारी के साथ की गाली गलौच, गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक हिरासत में समाचार गेट हरिओम भारद्वाज

होडल थानागत गांव निवासी एक व्यक्ति द्वारा चंडीगढ़ हाईकोर्ट के सम्मन फाइल जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर किया है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। राजेंद्र सिंह पी.एस. ने न्यायालय को दी दरखास्त में बताया कि किसी मुकदमे में पलवल नाजिर ब्रांच से 18 अगस्त को होडल नाजिर ब्रांच को सम्मन तामील के लिए प्राप्त हुए। नायब नाजिर ने हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार में दर्ज करके हलका के अनुसार 16 अगस्त को उसे तामील के लिए दे दिए थे, जिसकी आगामी तारीख पेशी 15 अक्टूबर होनी है। दरखास्त में बताया कि वह गांव पैंगलत निवासी गोविंद व छोटे के सम्मन तामील करने के लिए गया तो वहां भगवती नाम की महिला मिली, जिसने अपने आप को गोविंद की पत्नी बताया था। उक्त महिला ने बताया कि गोविंद की मृत्यु हो चुकी है। उसके बाद उक्त महिला ने राहुल नामक व्यक्ति को मौके पर बुलाया, जिसने हाईकोर्ट के दोनों सम्मनों को पढ़कर फाइल दिया और उसके साथ धक्का पुक्की की गाली गलौच कर कहा कि उसकी ऊपर तक पहुंच है, कुछ नहीं बिगड़ेगा। बाद में पुलिस ने मामले में आरोपित गांव निवासी राहुल को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

होडल 2 अलग-अलग मामलों में अवैध शराब सहित आधा आरोपी धरे



समाचार गेट हरिओम भारद्वाज

पुलिस प्रवक्ता कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार श्री चंद्र मोहन, पुलिस अधीक्षक पलवल के कुशल नेतृत्व में विधानसभा चुनाव मध्यनगर जिला पुलिस द्वारा एक विशेष अभियान शराब तस्करी पर प्रहार करते हुए अवैध शराब तस्करी की धरपकड़ के संबंध में चलाया हुआ है। इसी मुहिम के अंतर्गत मामले में मुंडकटी थाना पुलिस ने गांव डकोरा निवासी आरोपी तेजपाल तस्करी को 44 पन्ना एवं 14 अढ़ा देसी शराब मस्ताना सहित काबू किया। इसी तरह एक और मामले में थाना होडल पुलिस ने गांव भुलवाना निवासी गिरीश तस्करी को 48 पन्ना देसी शराब मस्ताना सहित काबू किया। उपरोक्त मामलों में आरोपियों के विरुद्ध संबंधित थानों में आवकरी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीबद्ध कर कार्यवाही अमल में लाई जा रही है।

होडल विधान सभा के होने वाले चुनावों को लेकर होडल एसडीएम ने अधिकारी कर्मचारियों की ली बैठक



समाचार गेट हरिओम भारद्वाज

होडल, : आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर होडल एसडीएम रणवीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि विधानसभा चुनावों को लेकर आचार संहिता लगी हुई है। इस आचार संहिता का लोगों को विशेष ध्यान देना होगा। कोई भी बैठक व जनसभा करने से पहले राजनेताओं को प्रशासन की परमिशन लेनी होगी। उन्होंने कहा कि इस आचार संहिता में होने वाले बड़े कार्यक्रमों के लिए भी प्रशासन की परमिशन जरूरी है। जिस सम्बंध में एस-डीएम ने अधिकारियों की मीटिंग भी ली जिसमें अभी विधान सभा के होने वाले चुनावों को बिना भेदभाव के ईमानदारी से करने की बात कही और बताया 1 अक्टूबर को विधानसभा के लिए मतदान कर होगा। इसके अलावा 5 सितंबर से 12 सितंबर तक विधानसभा उम्मीदवार अपना नामांकन भर सकेंगे और 13 सितंबर को नामांकनों की छंटनी होगी। उन्होंने बताया 4 अक्टूबर को मतगणना होगी। एसडीएम ने कहा कि होडल विधानसभा में टोटल 200 पोलिंग बूथ है। विधानसभा चुनावों में सुरक्षा को देखते हुए पुलिस की पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल मंगाया गया है। इसके अलावा संवेदनशील बूथों की लिस्ट आते ही वहां पर सुरक्षा को देखते हुए पुलिस के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। एस-डीएम ने होडल विधानसभा की जनता से अपील करते हुए कहा कि इन विधानसभा चुनावों को कराने में प्रशासन का पूरा सहयोग करें।

नूंह शहर में आफताब को मिला समर्थन, जाकिर को दर्जनों ने छोड़ा

मेवली में भी सरपंच सहित, दर्जनों हुए थे कांग्रेस में शामिल

(अनिल मोहनियां नूंह)

दिन प्रतिदिन कांग्रेस विधायक दल उप नेता चौधरी आफताब अहमद को नूंह विधानसभा में जन समर्थन मिल रहे हैं। जबकि बीजेपी सहित अन्य दलों के नेता कोई भी बड़ा कार्यक्रम करने में सफल नहीं हो पाए हैं। शुक्रवार शाम नूंह शहर के महत्वपूर्ण व्यक्तित्व लाला वेद पुत्र नानक चंद भी आफताब अहमद के साथ हो गए। बता दें उन्हें जाकिर हुसैन परिवार के बहुत करीबी के रूप में भी जाना जाता रहा है। ये हुए आफताब अहमद के साथ:

लाला वेद, अशोक कुमार, रूप राम, महेंद्र पाहाड़, लक्ष्मण, टोनी सहित दर्जनों ने परिवार सहित आफताब अहमद के नेतृत्व में आस्था जताई। लोगों ने बताया कि स्थानीय विधायक आफताब अहमद की नीति, नीयत और नेतृत्व के कारण वो भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए हैं।



नूंह शहर के विकास कारनामे में भाजपा नेता विफल साबित हुए हैं। आफताब अहमद ने सभी लोगों का उनके परिवार में शामिल होने पर धन्यवाद जताते हुए कहा कि सभी वर्गों को एक साथ लेकर सभी के समान विकास के लिए कार्य करेंगे। नूंह शहर के लोगों के समर्थन से साफ है कि भाजपा किसी भी वर्ग की उम्मीदों पर

खरी नहीं उतरी है। दस सालों के शासन में बीजेपी विकास की बजाए लोगों का ध्यान भटकाती रही। पीसीसी सदस्य महताब अहमद ने भी नए सदस्यों का कांग्रेस ज्वाइन करने पर धन्यवाद करते हुए कहा कि ये समय की मांग है कि नूंह जिले के सभी लोग बीजेपी के खिलाफ लामबंद होकर एकजुटता से कांग्रेस को समर्थन दें। स्थानीय पक्ष विपक्ष

की बात से ऊपर उठकर सभी विकास के लिए कांग्रेस को वोट दें, सरकार बनने पर हम सभी को एक समान मान सम्मान देंगे। वहीं बीते दिन देर शाम नूंह विधायक आफताब अहमद को नूंह विधानसभा के मेवली गांव में जबरदस्त समर्थन रहे नेता बीते पांच सालों में इलाके के लिए एक काम नहीं गिनवा सकते जो उन्होंने किया

छोड़कर कांग्रेस में आस्था व्यक्त की। मेवली में इन्होंने थामा कांग्रेस का दामन: वहीद सरपंच, शहीद, जमील, जावेद, अय्युब, इब्राहिम, महमूद उर्फ बुद्धू, दीनु, रिसाल, आरिफ, रहमान, हारून, विष्णु चैयमैन, छोटेल्ली, अली मोहम्मद, हवीब, रुददार, अरशाद, जफरू, तारीफ, रफीक, इफान, हुसैन, राहुल, आदिल, सुरेश, अनिल कुमार, वेद प्रकाश, लाला रमेश चंद, इरशाद पूर्व सरपंच, असलम, पहलू, सरपू, कमरू, रफीक पुत्र ईसा, तौफिक, अब्दुल, कम्मू, रज्जाक, छोटा, सईद, हनीफ, जमील पुत्र अब्दुल रहमान, सुनील, कासम, भगत राम, कालें खां, समसू, हकमु, खालिद आदि विधायक आफताब अहमद ने कहा कि बीजेपी के स्थानीय उम्मीदवार रहे नेता बीते पांच सालों में इलाके के लिए एक काम नहीं गिनवा सकते जो उन्होंने किया

हो। सत्ता में रहते हुए अपनी नौकरी तो पक्की कर ली लेकिन इलाके के लिए एक बार फिर जनता के हितों की रक्षा के लिए आवाज नहीं उठा पाए। ऐसे मौकापरस्त लोगों को जनता पहचान चुकी है और अब चुनाव में उनकी जमानत जब्त करने के लिए तैयार है विधायक आफताब अहमद ने कहा कि नूंह जिले के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वो चुनाव तक घर घर जाकर बीजेपी की विफलताओं को गिनाए और अतीत में कांग्रेस सरकार द्वारा कराए कई हजार करोड़ रुपए के विकास कार्यों के बारे में समझाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार बनने पर नूंह का विकास तेज गति से शुरू किया जाएगा। शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, सिंचाई, बुनियादी सुविधाएं, रोजगार सभी में व्यापक सुधार किए जाएंगे।

बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाता घर से वोटिंग का वुन सकते हैं विकल्प : जिला निर्वाचन अधिकारी

समाचार गेट/निकिता माधोगडिया

रेवाड़ी: भारत निर्वाचन आयोग के नियमानुसार मतदान केंद्र पर दिव्यांग व बुजुर्ग मतदाताओं के बैठने की व्यवस्था तथा व्हील चेयर उपलब्ध होनी चाहिए। निर्वाचन आयोग ने दिव्यांग व 85 वर्ष की आयु से अधिक के मतदाताओं के लिए घर से मतदान करने का भी विकल्प दिया है। यदि वे मतदान केंद्र पर आकर वोट डालना चाहते हैं तो उनके लिए घर से लाने व छोड़ने के लिए वाहन की व्यवस्था रिटर्निंग अधिकारी द्वारा करनी होगी। यह जानकारी जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अभिषेक मीणा ने दी। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक मीणा ने निर्वाचन आयोग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुए बताया कि वरिष्ठ नागरिक जो 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता हैं जिनका मतदाता सूची में आयु का उल्लेख किया गया है और उन्हें फॉर्म 12-डी के साथ कोई अतिरिक्त प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं है। इसके लिए मतदान तिथि से पहले विभाग के अधिकारी उनसे विकल्प लेने के लिए उनके घर जाएंगे। डीसी ने बताया कि भारत चुनाव आयोग द्वारा 15वें विधानसभा आम चुनाव में 85 वर्ष से अधिक आयु व दिव्यांग मतदाताओं को बिलेट पोप द्वारा घर से ही मतदान करने की सुविधा दी गई। उन्होंने कहा कि बीएलओ अपने परिवार में यह सुनिश्चित करें कि इन वर्गों की कितने मतदाता ऐसे हैं जो घर से मतदान करने के इच्छुक हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित वर्ग के जो मतदाता घर से मतदान करने का आवेदन करते हैं उनका घर से ही मतदान सुनिश्चित किया जाए।

न्यायालय ने बंदरों के आतंक मामले में नगरपरिषद को किया तलब।

समाचार गेट/निकिता माधोगडिया

रेवाड़ी: सीएलजी समिति के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारी सुनील भार्गव शहर में बंदरों के आतंक से परेशान जनता की लाड़ाई लड़ रहे हैं। एडवोकेट भार्गव ने बताया कि उन्होंने बंदरों के आतंक को लेकर एक शिकायत पब्लिक यूटिलिटी कोर्ट में की थी। अदालत ने नगर परिषद रेवाड़ी को आदेश दिए थे कि रेवाड़ी शहर के बंदरों को पकड़ा जाए ताकि शहर के लोगों को बंदरों के आतंक से मुक्ति मिल सके लेकिन नगर परिषद द्वारा बंदरों को पकड़ा नहीं गया। इसी विषय को लेकर नगर परिषद के खिलाफ एक एजिक्यूशन सिविल जज अदालत में दायर की जिसकी आज की तारीख थी। जिसमें नगर परिषद की ओर से चीफ सेक्रेटरी इंसोक्ट सुधीर यादव अदालत में पेश हुए और उन्होंने अपना पक्ष रख कर कहा कि हमने बंदरों को पकड़ने के लिए ठेका दे दिया गया है। सुनील भार्गव एडवोकेट ने माननीय अदालत को बताया कि अभी भी शहर के अंदर बहुत ज्यादा बंदर हैं तथा लोगों को घर में घुसकर काट रहे हैं, खास तौर पर शक्ति नगर, सेक्टर 3, सेक्टर 4 व शहर के अन्य स्थानों पर भी बंदरों का आतंक बरकरार है। जिस पर नगर परिषद की तरफ से यह आश्वासन दिया गया कि जल्दी ही शहर के अन्य स्थानों पर भी बंदरों को पकड़ लिया जाएगा।

नूंह विधानसभा में भाजपा का त्रिदेव सम्मलेन आयोजित

राजस्थान पूर्व सांसद रामस्वरूप कोली रहे मुख्य अतिथि

(अनिल मोहनियां नूंह)

नूंह विधान सभा क्षेत्र में भाजपा के जिला अध्यक्ष नरेंद्र पटेल, विधानसभा संयोजक गंगादान डागर, सभी परदेश और जिला पदाधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता ने पहुंच कर सैकड़ों लोगों के साथ त्रिदेव सम्मलेन का आयोजन किया गया। इस मौके पर सरकार द्वारा कराये गये विकास कार्यों पर भी विशेष चर्चा की गई है। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष नरेंद्र पटेल व पार्टी विस्तारक की अगुवाई में लगातार पन्ना प्रमुख, मंडल अध्यक्ष, त्रिदेव, बीएलओ टुबूथ अध्यक्ष कार्यकर्ताओं की जमीनी स्तर पर जिम्मेदारी लगाने के लिए कार्य किये जा रहे हैं और उन्होंने कहा कि पार्टी से जो भी उम्मीदवार टिकट मांग रहे हैं। उनमें से किसी भी उम्मीदवार को पार्टी टिकट देती है पार्टी के सभी नेता व कार्यकर्ता उनके साथ हैं।



पार्टी के किसी भी कार्यकर्ता में मतभेद नहीं है। पार्टी के सभी सदस्य भारतीय जनता पार्टी के सिपाई हैं और कमल खिलाने की लेकर भरपूर मेहनत कर रहे हैं। पार्टी के सभी नेताओं व

कार्यकर्ता को पूरा विश्वास है कि इस बार कमल खिलाने की दम लेगे। जिससे लोगों में खुशी के आसार देखे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पार्टी हुनरमंद युवाओं को कौशल रोजगार योजना के तहत व सरकारी नौकरी बिना खर्ची पनी के देकर युवाओं के रोजगार बढ़ाया जा रहा है। भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया है कि तीसरी बार हरियाणा में नायब सिंह सेनी व पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के तत्वाधान में प्रचंड बहुमत के साथ कमल खिलाने व भाजपा की सरकार बनने जा रही है। पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता गांव-गांव और बूथ-बूथ पर जाकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने का काम कर रहे हैं। नूंह जिला अध्यक्ष नरेंद्र पटेल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं में बोखलाहट देखी जा रही है।

रेवाड़ी पुलिस की साइबर सेल टीम ने 70 दिन में आम जन के खोए हुए लगभग 6,89,770/- रूपए के 40 स्मार्ट फोन बरामद कर उनके मालिकों को सौंपे।

समाचार गेट/निकिता माधोगडिया

रेवाड़ी: जिला रेवाड़ी की साइबर सेल की टीम ने 70 दिन अंदर आमजन के खोए हुए लगभग 6,89,770/- रूपए के 40 स्मार्ट फोन बरामद कर उनके असल मालिकों को सौंपे। बरामद किए गए इनमें ज्यादातर फोन नामी कंपनियों के हैं जिनकी कीमत बाजार में करीब 9 हजार रुपए से लेकर 50 हजार रुपए तक की है। साइबर सेल इंचार्ज एसआई सदीप कुमार द्वारा मोबाइल मालिकों को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बुलाकर सम्मान पूर्वक उनके मोबाइल सौंपे गए। साइबर सेल इंचार्ज एसआई सदीप कुमार जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2020 में पुलिस महानिदेशक हरियाणा के आदेशानुसार गुमशुदा मोबाइल को ढूंढकर उनके मालिकों को लौटाने हेतु विशेष अभियान की शुरुआत की गई थी। रेवाड़ी पुलिस की साइबर सेल ने इस अभियान के तहत वर्ष 2022 में अब



तक करीब 42,70,292 /- रूपए के 256 स्मार्ट मोबाइल फोन को ढूंढकर उनके मालिकों के हवाले किए गए और इससे पहले भी वर्ष 2021 में करीब 849347/- रूपए के 58 स्मार्ट मोबाइल फोन बरामद करके उनके मालिकों के हवाले किए गए गए। अपने गुम हुए फोन को पाकर मोबाइल मालिक बेहद खुश नजर आए तथा रेवाड़ी पुलिस का धन्यवाद करते हुए कहा कि अपनी वस्तु से हर

व्यक्ति को प्यार होता है। आज की इस डिजिटल दुनिया में हर व्यक्ति का सबसे महत्वपूर्ण उपकरण मोबाइल फोन है, जिसको वह 5 मिनट के लिए अपनी आंखों से ओझल नहीं करता और आज गुम हुए मोबाइल फिर से पाकर बड़ी हमें बहुत खुशी मिली है। इस सम्बन्ध में साइबर सेल इंचार्ज एसआई सदीप कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि घर से बाहर जाते समय मोबाइल फोन को सम्भाल कर रखें और अगर मोबाइल गुम हो जाता है तो तुरंत मोबाइल फोन की गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज करवाकर उसमें मौजूद सिम कार्ड को बंद करवाए। फिर उसके बाद मोबाइल फोन को ट्रैकिंग करवाने हेतु कार्यालय पुलिस अधीक्षक रेवाड़ी में सूचित करें। इसके साथ ही बताया कि गुम हुये मोबाइल को ढूंढकर मालिकों के हवाले करने में साइबर सेल की टीम की अहम भूमिका निभाई है।

पर्युषण पर्व में साफ सफाई की करें समुचित व्यवस्था : रजत जैन

(अनिल मोहनियां नूंह)

जैन धर्म के पर्युषण पर्व में कस्बा नगीना में निर्वाचित साफ सफाई सुनिश्चित करने की मांग सरकार व प्रशासन से है। पर्युषण पर्व (दशलक्षण पर्व) 08 सितम्बर से 17 सितम्बर तक मनाए जाएंगे। सर्व जातीय सेवा समिति के उपाध्यक्ष रजत जैन ने बताया कि पर्युषण पर्व (दशलक्षण पर्व) 08 से 17 सितम्बर तक चलेंगे। 10 दिनों तक जैन धर्म के अनुयायी उपवास रखते हैं, जिनेंद्र प्रभु की विशेष



पूजा अर्चना पक्तिभाव से करते हैं। प्राणों मात्र के प्रति दया भाव व मैत्रीभाव रखते

हैं। अपने आत्म कल्याण व आत्म शुद्धि के लिए उच्चतम नैतिक मूल्यों को जीवन में धारण करते हैं। कस्बा में साफ सफाई नियमित ना होने की वजह से बांशियों की गंदगी की वजह से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा। उपवास रखने वाले व धार्मिक कार्यक्रम करने वाले धर्मानुयायियों को परेशानियों का सामना ना करना पड़े, और शारीरिक व मानसिक परेशानियां से बच सकें। सरकार व प्रशासन को 08 सितम्बर से 17 सितम्बर तक नियमित

रूप से कस्बा नगीना के प्रत्येक वार्ड में साफ सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करें। जिससे की धर्मानुयायियों के साथ साथ कस्बेवासियों की भी समय रहते गंदगी की समस्या से निजात मिल सके। जनहित के ध्यान में रखते हुए सरकार व प्रशासन को तुरंत प्रभाव से इस मांग पर कार्रवाई करते हुए सफाई करवाना सुनिश्चित करें। इबबला मोहल्ला की साफ सफाई की विशेष आवश्यकता :- वैसे तो पूरे कस्बा में सफाई की आवश्यकता है लेकिन श्री

चंद्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर से लेकर इबबला मोहल्ला तक और गौहरवाली चौक से श्री दुर्गा मंदिर पथवारी से इबबला मोहल्ला, मुख्य बाजार, श्री हनुमान मंगल मंदिर से लेकर इबबला मोहल्ला तक नियमित रूप से विशेष साफ सफाई की विशेष आवश्यकता है। इसलिए यहां पर साफ सफाई के लिए विशेष व्यवस्था की जाए। क्योंकि इबबला मोहल्ला कस्बा की मुख्य मोहल्ला व चौराहा है यहां जनता का आवागमन अधिक रहता है।

गोतस्कर समझ छात्र की गोली मारकर हत्या हाईवे पर 18 किमी कार का पीछा कर ली जान

समाचार गेट ब्यूरो
फरीदाबाद। फिल्म स्टाइल में आधी रात के बाद हाईवे पर फरीदाबाद से लेकर पलवल तक 18 किलोमीटर एक कार का पीछा किया और गोलीबारी बरसाकर एक छात्र की हत्या करने के मामले में नया मोड़ आया है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपियों ने गोतस्कर समझकर छात्र को कार का पीछा किया था। इस दौरान उन्होंने गोली चलाई, इसमें छात्र की मौत हो गई थी। पुलिस अभी आरोपियों से गहनता से पूछताछ कर रही है।

हाईवे पर गोतस्कर समझकर छात्र आर्यन मिश्रा को मारी थी गोली कई किमी तक कार का पीछा कर मारी गोली

हालांकि जिस कार में छात्र सवार था, उसमें दो महिलाएं व एक युवक भी था। उन्होंने एक नंबर निवासी कुछ युवकों के खिलाफ हत्या सहित अन्य धारा के तहत मुकदमा दर्ज कराया था। एनआईटी पांच नंबर में रहने वाली श्वेता गुलाटी ने बताया कि उनके मकान में आर्यन मिश्रा

परिवार सहित किराये पर रहता है। आर्यन दूरस्थ शिक्षा से 12वीं कक्षा की पढ़ाई कर रहा था। वह तीन भाईयों में सबसे छोटा था। श्वेता के अनुसार आधी रात के बाद वह, बेटा हर्षित, परिवार की दो और महिलाएं व आर्यन वर्धमान मॉल के पास से मैगी खाकर लौट रहे थे। पीछे से कार सवार युवकों ने उन्हें रुकने का इशारा किया। कार चला रहा उनका बेटा हर्षित समझ गया कि कुछ गड़बड़ है। उसने कार तेज गति से भगा दी। उधर कार न रुकने पर बदमाशों ने गोली चलाई शुरू कर दी। हर्षित कार हाईवे पर ले आया। बदमाश लगातार पीछा कर रहे थे। हर्षित ने

कार पलवल की ओर भगा दी। बदमाश भी पीछे लग गए और नजदीक आते ही गोली चला रहे थे। जल्दबाजी में गदपुरी टोल के बेरियर को तोड़ते हुए हर्षित की कार आगे बढ़ी। तभी बदमाशों की एक गोली हर्षित के बराबर में बैठे आर्यन मिश्रा के सिर में लगी गई। वह बेहोश हो गया और उसकी मौत हो गई थी। श्वेता ने बताया कि बदमाश उनके दूसरे बेटे शैकी को मारने आए थे। क्योंकि कार शैकी की थी। बदमाशों ने समझा कि कार में शैकी बैठा है। उन्होंने इस हत्या का आरोप पुलिसकर्मियों, योगेश व अन्य पर लगाया था।

फ्लाइओवर पर धू-धूकर जला टूला

समाचार गेट ब्यूरो
फरीदाबाद। बीती रात को दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर चाईएमसीए फ्लाइओवर के ऊपर इंसानों में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से एक बड़े टूले में अचानक आग लग गई। टूला ज्वाला ने इंसान के पास से धुआं उड़ता देख टूला को साइड में लगाया और कूद कर अपनी जान बचाई। कुछ देर में ही टूले का आग का पूरा हिस्सा आग के गोले में तब्दील हो गया। सूचना के बाद फायर ब्रिगेड को एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। जानकारी अनुसार टूला पलवल गदपुरी से दिल्ली की तरफ जा रहा था। वह जैसे ही



चाईएमसीए फ्लाइओवर के पास पहुंचा तो उसके इंसान से धुआं उठने लगा। टुक टुक करके इसका पता चला तो उसने गाड़ी को फ्लाइओवर के ऊपर साइड में लगा दिया। इसके बाद नीचे उतर कर अपनी जान बचाई। पांच मिनट में ही टूले का अगला हिस्सा पूरी तरह से आग के गोले में तब्दील हो गया। देखते-देखते इंसान के पूरे हिस्से में आग फैल गई। पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना देकर मौके पर बुलाया और आग को बुझाया गया। टूला में किसी भी तरह का कोई सामान लोड नहीं था। इसमें दो लोग ही सवार थे, जिन्होंने कूद कर जान बचाई।

ब्लॉक स्तरीय कल्चरल फेस्ट में सराय ख्वाजा स्कूल प्रथम



समाचार गेट ब्यूरो
फरीदाबाद। राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सराय ख्वाजा फरीदाबाद की जूनियर टीम ने म्यूजिक वोकल एवम रागिनी में और सीनियर टीम ने ग्रुप डांस में खंड स्तरीय कल्चरल फेस्ट कार्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा अन्य स्पर्धाओं सामूहिक नृत्य तथा रागिनी में भी क्रमशः द्वितीय, तृतीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार मनचन्दा ने बताया कि कक्षा छह से आठ वर्ग में और नौ से बारह वर्ग में विद्यार्थियों ने विद्यालय की प्राध्यापिका मुक्ता, सुदेश, ज्योति, सुरीला एवम सभी अध्यापकों के सहयोग से खंड स्तरीय कल्चरल

फेस्ट जिसका आयोजन राजकीय कन्या आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एन आई टी पांच फरीदाबाद में किया गया था खंड फरीदाबाद में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय परिवार को गर्वान्वित किया। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचन्दा ने विद्यालय के समस्त छात्र छात्राओं और अध्यापकों का अभिनंदन करते हुए स्वागत किया। उन्होंने और समस्त विद्यालय परिवार ने अध्यापकों और कल्चरल फेस्ट में प्रतिभागीता कर रहे सभी छात्र छात्राओं का विशेष स्वागत और अभिनंदन किया। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि सीनियर टीम ने सामूहिक नृत्य में प्रथम, एकल नृत्य में द्वितीय, अतिरिक्त

रागिनी में तृतीय स्थान प्राप्त किया जब की विद्यालय की जूनियर टीम ने सोलो डांस में प्रथम, म्यूजिक वोकल में प्रथम तथा सामूहिक नृत्य में तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के सभी बच्चों और अध्यापकों ने विजेता विद्यार्थियों को जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए और भी प्रेरित करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचन्दा, वरिष्ठ प्राध्यापिका राजनी, मुक्ता, ज्योति, सुदेश, रविंद्र आर्य सहित सभी अध्यापकों ने टीम के सभी सदस्यों को सम्मानित किया। प्राचार्य मनचन्दा ने सभी प्राध्यापकों और विद्यार्थियों का अभिनंदन करते हुए जिला स्तरीय कल्चरल फेस्ट की अच्छी प्रकार से तैयारी करने के लिए प्रेरित किया।

सामुदायिक पुलिसिंग टीम ने 600 छात्रों को दिलाई शपथ

समाचार गेट ब्यूरो
फरीदाबाद। सामुदायिक पुलिसिंग सेल द्वारा आमजन, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को नशे से बचाव, सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के बारे में लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में सामुदायिक पुलिसिंग राजकीय प्राथमिक पाठशाला दयाल नगर और श्रुव डेरा विद्यार्थियों को नशा से बचाव तथा यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। सामुदायिक पुलिसिंग टीम ने यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए छात्रों को बताया कि सड़क सुरक्षा और यातायात नियम सभी लोगों की सुरक्षा और सुविधा के लिए महत्वपूर्ण हैं तथा वर्तमान में सड़कों पर होने वाले दुर्घटनाओं पर नियंत्रण करने के लिए हमें यातायात नियमों का पालन करने चाहिए। उन्होंने



बताया कि सड़क दुर्घटनाओं का सीधा असर हमारे जीवन पड़ता है। यातायात नियमों का पालन करना सुव्यवस्था सफर का महत्वपूर्ण पहलू है। इसलिए सभी को सीट बेल्ट का उपयोग, निर्धारित स्पीड लिमिट का पालन, वतअएफ अस्कूप वाहन ना चलाना व शराब पीकर वाहन नहीं चलाने चाहिए। ट्रैफिक नियमों जैसे कि ट्रैफिक सिग्नल का पालन करने,

लेन ड्राइविंग, उच्च गुणवत्ता वाले हेलमेट का उपयोग करने इत्यादि के बारे में विशेष रूप से जागरूक किया गया। सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए संबंधित संगठनों को भी अपनी जिम्मेदारियों का पूरा निर्वहन करना चाहिए। आमजन को सड़क दुर्घटना से बचाने के लिए वाहनों के तकनीकी मानकों का पालन करना चाहिए। यातायात पुलिस द्वारा नागरिकों और वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा एवं नियमों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाकर यातायात को प्रभावी रूप प्रदान किया जा सके। सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए हम सभी को एकजुट होकर काम करना चाहिए। नियमों का पालन करते हुए सड़क पर सभी वाहनों को सुव्यवस्थित रखना हमारी सामरिक जिम्मेदारी है। सड़क सुरक्षा को हमारे जीवन का प्रमुख मामला बनाने के लिए हमें यातायात नियमों का पालन करना चाहिए, जिससे हम सबको सुरक्षित रख सकें।

11 पुलिसकर्मी हुए सेवानिवृत्त, सीपी ने विदाई समारोह में दी शुभकामनाएं

समाचार गेट ब्यूरो
फरीदाबाद। वता के कि फरीदाबाद पुलिस परिवार के 11 सदस्यों का सेवकाल पूर्ण होने उपरांत विदाई समारोह का आयोजन पुलिस आयुक्त कार्यालय सेक्टर 21सी में किया गया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश नरवाल कदर के साथ पुलिस उपायुक्त मुख्यालय अभिषेक जोरवाल, अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। इस अवसर पर पुलिसकर्मीयों के लिए विदाई पार्टी का आयोजन किया गया जिसमें सेवानिवृत्त पाने वाले के परिजन भी उपस्थित रहे। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आज पुलिस आयुक्त कार्यालय के सभागार में फरीदाबाद पुलिस विभाग के इंस्पेक्टर होशियार, हंसराज, उप निरीक्षक कर्मवीर, विद्यानंद, देवेन्द्र सिंह, बिरेन्द्र सिंह,



बहादुर चंद तथा मुख्य सिपाही सुरेन्द्र, फूलसिंह और कुक धर्मचंद व माली श्याम बिहारी को सेवानिवृत्त कर विदाई पार्टी आयोजित की गई। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त ने कहा कि सालों तक देश सेवा करने के पश्चात अब इन कर्मचारियों को सेवानिवृत्त मिल रही है, पुलिस

विभाग में कार्यरत रहकर पुलिस कार्यों में अपना योगदान दिया और समाज सेवा में बड़े चढ़कर हिस्सा लिया। इन्होंने पुलिस विभाग में सालों तक कार्यरत रहकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। इनकी कड़ी मेहनत और तपस्या के लिए वह इनका इनका धन्यवाद करते हैं

और आशा करते हैं कि सभी अपने परिवार के साथ शांतिपूर्वक और खुशी से जीवन व्यतीत करें। पुलिस आयुक्त ने सेवानिवृत्त पाने वाले सभी सदस्यों को ग्रुप फोटो में स्वस्थ रूप उपहार देकर उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी।

हरियाणा पर्यटन दिवस समारोह आज होटल राजहंस सूरजकुण्ड में



समाचार गेट ब्यूरो
फरीदाबाद। हरियाणा पर्यटन दिवस समारोह फूड फेस्टिवल एक प्लेट दो राज्य राजस्थान और हरियाणा का विलय, 31 अक्टूबर 2024, शाम 4 बजे से होटल राजहंस सूरजकुण्ड में भव्य एवं शानदार तरीके से मनाया जाएगा। महाप्राबंधक फरीदाबाद जौन एचटीसी यू.एस. भारद्वाज ने बताया कि हरियाणा पर्यटन दिवस समारोह फूड फेस्टिवल रंगारंग होगा और

इसमें शाहीन लाउज में चौकी ढाणी जैसी पारंपरिक बैठक होगी और सेवा कर्मचारियों द्वारा राजस्थानी पोशाक में भोजन परोसा जाएगा। भोजन की तैयारी राजस्थानी व्यंजनों में पेशेवर विशेषज्ञता वाले शेफ द्वारा की जाएगी। शाहीन में रेस्तरां में बैठने के इच्छुक मेहमानों के लिए एक अलग बुफे की व्यवस्था की जाएगी। भारद्वाज ने बताया कि मेहमानों के स्वागत के लिए चंचारी मंडली और कच्ची फोड़ी पोच में होंगी।

कंट की सवारी और झुड़सवारी पोच के पास पार्किंग में उपलब्ध होगी। सारंगी भोपा भोपी, कण्ठपुतली शो, बायोस्कोप, लॉग मैन, चूड़ी वाली और मेहंदी वाली पूल के किनारे लॉन में तैनात रहेंगे। कालबेलिया नृत्य और राजस्थान और हरियाणा के अन्य प्रदर्शन पूल साइड लॉन में मंच पर किए जाएंगे। प्रस्तावित मेनु की कीमत रूपए 800 + जीएसटी प्रति व्यक्ति प्रति भोजन होगी।

यूपीएससी द्वारा निर्धारित नियमों का हो दृढ़ता से पालन: उपायुक्त

समाचार गेट ब्यूरो
फरीदाबाद। उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि संघ लोक सेवा आयोग, यूपीएससी द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षा के दौरान उचित निगरानी की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि नकल या अनुचित गतिविधियों से बचा जा सके। उपायुक्त विक्रम सिंह ने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की जिसमें सीमा शुल्क, निर्वात, भूमि कंटेनर डिपो के अतिरिक्त आयुक्त और परीक्षा आबन्धक शिवपाल ने परीक्षा को सुनियोजित ढंग से संपन्न करवाने के लिए ह्यूटी मैजिस्ट्रेट, ट्रांसिट ऑफिसर और लोकल इंसपेक्शन ऑफिसर को दिशा निर्देश दिए। परीक्षा आबन्धक शिवपाल ने कहा कि उन्होंने कहा कि यह काफी संवेदनशील कार्य है जिसे सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को पूरी जिम्मेदारी के साथ करना है। अधिकारी सुनिश्चित करें कि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की लापरवाही की गुंजाइश ना हो। परीक्षा के लिए संघ लोक सेवा आयोग ने जो नियम निर्धारित किए हैं, उनका दृढ़ता से पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि



किसी भी अधिकारी को कोई शंका हो तो उसे समय रहते दूर कर ले। उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि जिला में 01 सितम्बर 2024 को संघ लोक सेवा आयोग, यूपीएससी द्वारा आयोजित की जाने वाली एनडीए और एनए परीक्षा, 2024 और सीडीएस परीक्षा, 2024 की परीक्षा को सुनियोजित ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मुस्तैदी से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि यह काफी संवेदनशील कार्य है। जिसे सभी अधिकारी यह जरूर सुनिश्चित करें कि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की लापरवाही की गुंजाइश ना हो। परीक्षा के लिए संघ लोक सेवा आयोग, यूपीएससी ने जो नियम निर्धारित किए हैं, उनका दृढ़ता से पालन किया जाएगा। उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि आगामी एक सितम्बर 2024 को संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली द्वारा जिला फरीदाबाद के 10 परीक्षा केंद्रों पर सीडीएस परीक्षा की परीक्षाएँ तीन चरणों में प्रातः 9 बजे से प्रातः 11 पेपर 1, व दोपहर 12 से दोपहर 2 पेपर, व सायं 3 बजे से सायं 5 बजे तक पेपर 3 तथा एनडीए और एनए परीक्षा 2024 की परीक्षा के लिए प्रातः 10 से दोपहर 12.30 बजे तक व दूसरा चरण दोपहर 2 से सायं 4.30 बजे तक रखा गया है। उन्होंने बताया कि सीडीएस परीक्षा की परीक्षाओं के लिए 4 और एनडीए और एनए परीक्षा के लिए छह परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि

सभी परीक्षा केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएँ, बिजली, पंखे, जैमर, पेयजल, शौचालय और साफ-सफाई सहित अन्य उचित व्यवस्था के प्रबंध बरे भी अधिकारी ध्यान रखें और सुरक्षा के दृष्टिगत ऐसी कोई भी परीक्षा सहयोगी सामग्री जो आवश्यक है। उसको केंद्र में अंदर जाने ना दें। उन्होंने कहा कि यूपीएससी की विद्यार्थियों के अनुसार परीक्षाओं में कोताही चरतने वाले लोगों के खिलाफ तुरंत कानूनी कार्यवाही की जाएगी। समीक्षा बैठक में डीसीपी जसलीन कौर, एसडीएम शिक्षा अंतिल, सीबीएसई से अव्यय, सीटीएम अंकित कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी अजित सिंह, तहसीलदार नेहा सहायन, शिक्षाविद् डॉ एमपी सिंह सहित संबंधित अधिकारियों मौजूद थे।

पुलिस ने अर्धसैनिक बल के साथ किया पल्लेग मार्च



समाचार गेट ब्यूरो
फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश नरवाल के दिशा-निर्देश

पर चुनाव सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर फरीदाबाद पुलिस द्वारा अर्धसैनिक बल के साथ मिलकर एसीपी तिगांव

जितेश मल्होत्रा व एसीपी सेन्ट्रल विवेक कुण्ड के नेतृत्व में बल्लबगढ़ जौन व सेन्ट्रल जौन में पल्लेग मार्च

निकालकर आमजन को चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जागरूक किया। बल्लबगढ़ जौन का पल्लेग मार्च सहायक पुलिस आयुक्त तिगांव के नेतृत्व में चलकर छायासा, मोहन, हीरगपुर, नाखियाला, अरुआ, नरहायली पर समापन हुआ। सेन्ट्रल जौन का पल्लेग मार्च सहायक पुलिस आयुक्त सेन्ट्रल के नेतृत्व में चलकर गांव खेडी कलां, बढोली, सेक्टर-77, 78, 84 व 83 पर समापन हुआ। पल्लेग मार्च के दौरान नागरिकों को चुनाव में अपने मतदाधिकार का स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से प्रयोग करने तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने बारे जागरूक किया।

परचून की दुकान में लगी आग, लाखों का सामान जलकर हुआ राख

समाचार गेट/कविता
फरीदाबाद। एयर फोर्स रोड संथत दुर्गा मंदिर के पास प्रदीप प्रोविजनल स्टोर में शुकुवार को दोपहर अज्ञात कारणों के चलते भीषण आग लग गई। इस हादसे में परचून का लगभग सारा सामान जलकर राख हो गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पा लिया। जानकारी के अनुसार जवाहर कालोनी निवासी प्रदीप कुमार को एयर फोर्स रोड पर दुर्गा मंदिर के

पास पिछले 35 सालों से उनकी प्रदीप प्रोविजनल स्टोर के नाम से राशन की दुकान है। आज दोपहर प्रदीप भोजन करने के लिए घर पहुंचे तथा कुछ देर बाद स्थानीय दुकानदारों ने उन्हें आग लगने की सूचना दी। इसके बाद वह दुकान पर पहुंचे और शटर को खोला तब तक आग ने भीषण रूप धारण कर दिया था। आग में आटा, चावल, रिफाईन्ड, तेल, देशी ची, सिगरेट व अन्य परचून का सामान जलकर स्वाह हो गया। प्रदीप ने बताया कि

उनकी वर्षों की जमा पूंजी जलकर राख हो गई। उन्हें काफी नुकसान हुआ। फिलहाल आग से हुए नुकसान का आंकलन नहीं हो सका। विधायक नीरज शर्मा के बड़े भाई एवं नगर निगम के पूर्व वरिष्ठ उपमहापौर पं. मुकेश शर्मा मौके पर पहुंचे और पीड़ित दुकानदार प्रदीप कुमार को संतुलना दी। उन्होंने कहा कि यह हादसा बिजली विभाग की लापरवाही से हुआ है। अगर इन पुरानी जर्जर तारों को पहले बदल दिया जाता है

यह हादसा नहीं होता। उन्होंने इस हादसे की उच्च अधिकारियों से जांच करवाकर पीड़ित को उचित मुआवजा देने की मांग की है। **क्या कहते हैं फायर अधिकारी** एनआईटी टपकल केन्द्र के फायर अधिकारी रजेश कुमार ने बताया कि जैसे ही उन्हें सूचना मिली कि दुकान में आग लग गई है। उन्होंने तुरंत पहले एक गाड़ी को खाना कर दिया। उसके बाद दूसरी गाड़ी को बुलाया और आग को बुझा दिया। लेकिन पहली की गाड़ी ने आग पर काबू पा लिया।

संपादकीय

विकास-रोजगार से सियासी खेल बदलने की तैयारी

उत्तर प्रदेश के उपचुनावों में जीत दर्ज करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद को पूरी तरह सक्रिय कर लिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को प्रदेश में बढ़े झटके का सामना करना पड़ा था, जिससे अब ये उपचुनाव पार्टी के लिए बेहद अहम हो गए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने 15 अगस्त के बाद से लगातार अलग-अलग जिलों का दौरा करके बीजेपी के लिए जीत की रणनीति तैयार करना शुरू कर दिया है। उन्होंने रोजगार मेलों के माध्यम से युवाओं को साधने और विकास परियोजनाओं के जरिए जनता को नाराजगी दूर करने का प्रयास किया है, ताकि बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाया जा सके।



नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों में मीरपुर, गाजियाबाद, अलीगढ़ की खैर, कुदरत, कुदरत, फूलपुर, मिल्कोपुर, कटेही, मझवां और सीसामऊ जैसी सीटें शामिल हैं। इनमें से नौ सीटें 2024 के लोकसभा चुनाव में विधायकों के सांसद बनने के कारण खाली हुईं, जबकि सीसामऊ सीट समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी के राजा होने के कारण खाली हुई है। 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने इनमें से तीन सीटें जीती थीं, जबकि पांच सीटें समाजवादी पार्टी के पास थीं। शेष दो सीटें पर राष्ट्रीय लोकदल और निषाद पार्टी के विधायक काबिज थे।

बीजेपी के लिए ये उपचुनाव सिर्फ अपनी तीन सीटों को बचाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सपा के दबदबे वाली सीटों पर विजय हासिल करके 2024 के लोकसभा चुनाव में हुए नुकसान की भरपाई करने का अवसर भी हैं। लोकसभा चुनाव में बीजेपी को छह सीटों पर सपा से कम वोट मिले थे, जिससे पार्टी की चिंता बढ़ गई थी। यही कारण है कि बीजेपी ने इन उपचुनावों को 2027 के विधानसभा चुनावों का समीक्षाइतल माना है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस चुनावी अभियान को प्रारंभिकता दी है। उन्होंने खुद मैदान में उतरकर सियासी माहौल बनाने का मिशन शुरू कर दिया है।

मुख्यमंत्री योगी ने 15 अगस्त के बाद से प्रदेश के विभिन्न जिलों का दौरा शुरू किया। अंबेडकर नगर से इस अभियान का शुरुआत हुई और इसके बाद अयोध्या, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद, मैनपुरी, अलीगढ़ और कानपुर जैसे महत्वपूर्ण जिलों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने रोजगार मेलों का आयोजन कर युवाओं को नियुक्ति पर विवर्तित किए और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। हर जिले में पांच हजार से लेकर 17 हजार युवाओं को नियुक्ति पर प्रदान किए गए, जिससे बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की गई है।

योगी आदित्यनाथ उपचुनाव वाले उन जिलों का दौरा कर रहे हैं, जहां रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इन मेलों में युवाओं को मौके पर ही नियुक्ति पर दिए जा रहे हैं। इसके अलावा, योगी विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी कर रहे हैं। उन्होंने लघुधार्मिक योजनाओं के प्रमाण पत्र और छात्रों को टैबलेट्स विवर्तित किए हैं। इससे स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री योगी ने उपचुनाव वाली सीटों पर बीजेपी के लिए मजबूत आधार तैयार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

बीजेपी की रणनीति में विकास, रोजगार और संवाद को मुख्य हथियार बनाया गया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को युवाओं की बेरोजगारी को लेकर मिली नाराजगी का सामना करना पड़ा था, जो पार्टी की हार का एक प्रमुख कारण बना। इसे ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रोजगार मेलों का आयोजन कर युवाओं को साधने की कोशिश की है। इन मेलों के माध्यम से युवाओं को नौकरी के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे उनकी नाराजगी को कम किया जा सके।

मुख्यमंत्री योगी ने अपनी जनसभाओं में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखे हमले किए हैं। उन्होंने हिंदुत्व के एजेंडे को भी बहाव देने का प्रयास किया है, ताकि बिखरे हुए हिंदू वोटों को एकजुट किया जा सके। योगी आदित्यनाथ ने हर जिले में उपचुनाव वाली सीटों के नेताओं के साथ बैठकें कीं और पार्टी की रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने न केवल राजनीतिक मोर्चे पर बल्कि शासन स्तर पर भी तैयारी की है, जिससे बीजेपी की जीत सुनिश्चित हो सके।

योगी आदित्यनाथ ने इन 10 सीटों पर जीत की जिम्मेदारी खुद संभाल ली है। उन्होंने दोनो हिंदी सीएम और प्रदेश अध्यक्ष को भी इस चुनावी अभियान में शामिल किया है, जिनके जिम्मे दो-दो विधानसभा सीटों की जिम्मेदारी है। साथ ही, मुख्यमंत्री ने अपनी कैबिनेट के मंत्रियों को भी मैदान में उतार दिया है, जो अपने-अपने क्षेत्रों में बीजेपी के लिए जीत सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं।

इन उपचुनावों में बीजेपी के सामने सबसे बड़ी चुनौती सपा की मजबूत सीटें हैं। करहल, कुदरत, कटेही, मिल्कोपुर और सीसामऊ जैसी सीटें बीजेपी के लिए कठिन मानी जा रही हैं। इसके अलावा, मझवां, मीरपुर और फूलपुर जैसी सीटें भी पार्टी के लिए आसान नहीं हैं। यही वजह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी टीम पूरी तरह से इन सीटों पर फोकस कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस चुनावी अभियान को गंभीरता से लेते हुए पूरी ताकत झोंक दी है। रोजगार, विकास और संवाद के माध्यम से बीजेपी की रणनीति को मजबूत किया जा रहा है। अब यह देखा दिलचस्प होगा कि मुख्यमंत्री योगी की यह मेहनत बीजेपी को उपचुनावों में कितनी सफलता दिला पाती है और पार्टी इस जंग को कैसे फतह करती है।

सड़कें जलमग्न, फिर भी कनेक्ट नहीं किये गए करोड़ों के नाले

समाचार गेट/कविता

फरीदाबाद। नगर निगम कर्मचारियों द्वारा लगातार छोटे बड़े नालों से समय समय पर गाद निकाल कर खोला जाता है। जिसके लिये निगम को काफी मशकत करनी पड़ती है। वहीं दूसरी तरफ स्मार्ट सिटी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा शहर में जगह जगह करोड़ों रुपये के कवर्ड नालों का निर्माण करवाया जा रहा है। वहीं इन कवर्ड नालों के ऊपर ही स्मार्ट सिटी द्वारा फुटपाथ बनाया जा रहा है। जब खुले नाले ही जाम हो रहे



हैं तो कवर्ड नालों की क्या संघति होगी इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। यदि यह नाले जाम हो गए तो एक मात्र विकल्प इन्हें तोड़ना ही रह जाएगा। वहीं स्मार्ट सिटी और नगर निगम द्वारा शहर में बनाए गए कवर्ड नालों पर करोड़ों रुपये खर्च किये गए हैं। लेकिन लापरवाही बरतते हुए इन नालों को आज तक कनेक्ट करने की जरूरत महसूस नहीं की गई। जिससे जलभराव की समस्या वैसी की वैसी है।

सरकार धन हो रहा व्यर्थ

डूनेज सिस्टम बनाने के लिए सरकार शहर में कई बार करोड़ों अरबों रुपये खर्च कर चुकी है। पहले पानी की निकासी के जेएनएनआरयूपम परियोजना के तहत शहर में करोड़ों रुपये की लागत से सीवर और नालों का निर्माण किया गया। जिसके बाद नगर निगम भी इन कामों पर करोड़ों रुपये लगा चुका है। इनमें से कई काम तो वर्षों बीत जाने के बाद भी अधर में लटक रहे हैं। हाल की कुछ वर्षों में स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत भी कई जगह पानी की निकासी के लिए कवर्ड नालों का निर्माण करवाया जा चुका है। साथ अन्य कई स्थानों पर स्मार्ट सिटी नालों का निर्माण करवा रहा है। इससे पहले अन्य एजेंसियों द्वारा ग्रेटर फरीदाबाद और सूरजकुंड रोड पर अन्य कई स्थानों पर कवर्ड नालों का निर्माण करवाया जा चुका है। लेकिन यह सभी कवर्ड नालें आज भी व्यर्थ पड़े हुए हैं।

निगम की बढ़ा रहे मुश्किलें

निगम कर्मचारियों की लापरवाही के कारण पहले ही शहर के नालों की सफाई समय पर नहीं हो पाती। संघति को गंभीर होते देख निगमायुक्त द्वारा शहर के छोटे बड़े सभी नालों को खुलवाया जा रहा है। ताकि गंदे एवं बरसती पानी की निकासी हो सके। निगम कर्मचारियों द्वारा आज भी परंपरागत तरीके से नालों की सफाई की जा रही है। कवर्ड नालों की सफाई करने की निगम के पास कोई व्यवस्था नहीं है। लेकिन इसके बावजूद स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत शहर में करोड़ों रुपये कवर्ड नाले बनाने में खर्च किये जा रहे हैं। यदि गाद जमने से यह कवर्ड नाले जाम हो गए तो नगर निगम के लिए उन्हें साफ करना भी सम्भव नहीं होगा। इनकी सफाई के लिए उन्हें तोड़ने के अलावा को चारा नहीं रहेगा। ऐसे में नालों की मरम्मत पर बार बार सरकारी धन का दुरुपयोग होता रहेगा।

कौन जोड़ेगा नाले

एनआईटी इलाके में पेरिफेरल रोड के दोनों तरफ नाले भी बनाए जाने से थे। सड़क निर्माण करने वाले ठेकेदार ने नीलम बाटा रोड के दोनों तरफ सड़क से ऊंचे कवर्ड नालों का निर्माण करवाया है। लेकिन इससे आगे बाटा हाईवेवर रोड पर नाले नहीं बनाए गए। ऐसे में नीलम बाटा रोड के नालों को कनेक्ट नहीं किया जा सका है। करीब दो साल से नाले बेकार में पड़े होने के कारण इनमें मलबा भरता जा रहा है। इसी तरह हाईवेवर चौक से गौंछी डेन तक करीब छह फुट गहरा आरएमसी कवर्ड नाला बनाया गया है। हाईवेवर चौक पर नाला ही नहीं। वल्लूपल चौक पर नाले के हिस्सों को आपस में कनेक्ट नहीं किया गया है। इस नाले को आगे चलकर गौंछी डेन से जोड़ने की जरूरत भी महसूस नहीं की गई।

वंचित अनुसूचित जाति समाज की सभा एवं संवैधानिक अधिकार न्याय यात्रा आज

भीम आर्मी को टक्कर देने के लिए मार्शल भीम आर्मी की घोषणा भी संभव

समाचार गेट/कविता

फरीदाबाद। सर्वोच्च न्यायलय का ऐतिहासिक निर्णय अनुसूचित जाति आरक्षण वर्गीकरण को हरियाणा सरकार से लागू करवाने हेतु समस्त वंचित अनुसूचित जाति समाज की सभा एवं संवैधानिक अधिकार न्याय यात्रा 31 अगस्त (शनिवार) समय दोपहर 03:00 बजे दौलत राम धर्मशाला में होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायधीश पवन कुमार करेंगे।

यह जानकारी देते हुए वंचित अनुसूचित जाति समाज के ने बताया कि दिनांक 1,8,2024 को सुप्रीम कोर्ट के 7 जजों की संविधान पीठ ने देश में अनुसूचित जाति के आरक्षण का वर्गीकरण किये जाने का फैसला सुनाकर, आरक्षण से वंचित दलितों में अति दलित को अलग आरक्षण दिए जाने का आदेश दिया इस फैसले

से सूर्योदय से सिर पर मैला डोने व हाथों में झाड़ू लेकर देश को स्वच्छ रखने वाले वाल्मीकि समाज के पंथों में भी आरक्षण की रोजनी पहुचेंगी। उन्होंने कहा कि देश में दलित आरक्षण का फायदा वर्षों से मात्र एक जाति उठती आई है क्योंकि इस जाति का देश के शासन प्रशासन व राजनीति में वर्चस्व है और दलितों में अति दलित जातियों के बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर भी निजी कर्मचारियों व नगर पालिकाओं में झाड़ू की नौकरी करने को मजबूर हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने अति वंचित समाज की वास्तविक संघति को गहनता से जांच कर अति गरीबों के हक में आरक्षण वर्गीकरण का फैसला देकर समाज के अति दलित से बेदे अति वंचित व्यक्तियों को समाज की मुख्याधारा में लाने का एक ऐतिहासिक काम किया है। अति



वंचित दलित जातियों की रोड की हड़दी कहे जाने वाले आरक्षण वर्गीकरण बारे फैसला सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लिया गया है, जिससे समस्त वाल्मीकि समाज में खुशी की

लहर है। हरियाणा की तमाम 36-जातियां जैसे वाल्मीकी, धानक, बाजीगर, ओड, खटीक आदि 36 जातियां जो समाज की मुख्याधारा से बहुत ज्यादा

पिछड़ चुकी हैं। उन्होंने बताया कि जो पार्टी अति वंचित समाज के हितों को सर्वोपरि रखेगी हमारा समाज आने वाले चुनाव में उसी का साथ देगा। उन्होंने बताया कि भीम आर्मी

अब गुड्डई पर उतर आई है और वंचित समाज के लोगों को डराया धमकाया जा रहा है और उनपर हमले हो रहे हैं जोकि उनकी हताश प्रतीत होती है।

उन्होंने बताया कि 31 अगस्त को होने वाला सम्मेलन ऐतिहासिक होगा जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। सभी से विचार विमर्श करके भीम आर्मी को टक्कर देने के लिए मार्शल भीम आर्मी की घोषणा भी की जा सकती है।

इस मौके पर पूर्व सुपरिंटेंडेंट प्रताप सिंह, पूर्व आइपीएस पूर्ण चंद पवार, पूर्व एडीए हरकेश सिंह, पूर्व सरपंच संजीव, पूर्व सरपंच सचिन मंडोतिया, ब्लाक समिति मेंबर जितेंद्र आर्य, संजय मेहरोतिया, कुशल नेता, महेंद्र प्रधान ग्रामीण सफाई कर्मचारी, सरपंच जितेंद्र भारती मौजूद रहे।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाया कानून: विनोद भाटी

राष्ट्रवादी जनलोक पार्टी की बैठक में विनोद भाटी को एनआईटी क्षेत्र से बनाया प्रत्याशी

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। राष्ट्रवादी जनलोक पार्टी द्वारा डब्ल्यू कालोनी संघत कार्यालय पर कार्यक्रमों की बैठक एवं प्रैस वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित बैठक में पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सर्वसम्मति से युवा नेता विनोद भाटी को एनआईटी 86 विधानसभा क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार बनाने पर स्वागत किया।

इस अवसर पर राष्ट्रवादी जनलोक पार्टी से विधानसभा 86 के प्रत्याशी विनोद भाटी ने पार्टी द्वारा उन पर विश्वास जताते पर राष्ट्रवादी जन लोक पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक शेर सिंह राणा सहित समस्त पदाधिकारियों का धन्यवाद किया है कि उन्होंने हरियाणा प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए नए चेहरों को चुनकर समाज के सामने लाने का एक सुनहरी मौका प्रदान



किया है। उन्होंने फरीदाबाद जिले से लगातार लापता हो रहे बच्चे और महिलाओं के बड़ी संख्या पर आपत्ति

दर्ज की विनोद भाटी ने कहा कि अगर हमारी पार्टी आती है तो हम इस मुद्दे को गहनता से लेकर इस पर कानून

बनायेंगे। विधानसभा 86 को प्रो वाई-फाई देंगे और जनता की सुरक्षा और समस्या को लेकर के टोल फ्री नंबर

जारी किया जाएगा। जनता की समस्याओं का निदान किया जाएगा। विधानसभा 86 की गलियों और चौक

पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे जिससे क्षेत्र में बढ़ रहे अपराधों पर अंकुश लगाने में सहायता मिलेगी। इस प्रैस वार्ता में समाजसेवी युवा अन्वेषक गोस्वामी, अमृतलाल ने पार्टी और अपने क्षेत्र के निवासी विधानसभा 86 के उम्मीदवार विनोद भाटी को अपना समर्थन दिया और बड़े ही स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो जनता के मुद्दों को उठाने और निवारण कराना समाजसेवी और आम जनता उसको अपना विचारक बनाकर विधानसभा 86 में लाएगी।

अभिषेक गोस्वामी ने शहर में बढ़ रहे क्राइम को लेकर क्राइम कैफिल फरीदाबाद शहर को कहते हुए कहा क्या आए दिन बहन-बेटियों के साथ रेप और अन्य घटनाएं हो रही है बहुत जरूरी है और ऐसे युवाओं को आगे बढ़ाना हम सभी शहर वासियों का दायित्व बनता है।

मानव रचना ने भारत के सबसे बड़े हैकथॉन हैकइंडिया वेब 3 की मेजबानी की

समाचार गेट ब्यूरो
फरीदाबाद। मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग ने कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग (स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी) और स्कूल ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एससीए) के साथ मिलकर दो दिवसीय हैकइंडिया वेब 3 हैकथॉन 2024 का उद्घाटन समारोह आयोजित किया। सीशांन कॉर्नर द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में पूरे भारत से 600 से अधिक छात्र डेवलपर एक साथ आए, जिन्होंने वेब 3 तकनीक के गतिशील क्षेत्र में अपनी नवाचार क्षमता को प्रदर्शन किया। उद्घाटन समारोह में एमआरआईआईआरएस के प्रो. वाहम चॉसलर डॉ. नरेश प्रोवर और डॉ. प्रदीप कुमार सहित रजिस्ट्रार रमेश नायर, एससीए के डीन डॉ. बुनेश कुमार, एमसीएए के डीन डॉ. गीता निशान्वन सहित अन्य प्रतिष्ठित

प्रतियोगिता में 600 से ज्यादा प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा

वेब 3 प्रौद्योगिकी से जुड़ी विभिन्न प्रतियोगिताओं में नवाचार और आधुनिक टेक्नोलॉजी का संगम

टीम डेश रही विजेता, टेक्नो निंजा ने हासिल किया दूसरा स्थान

संकाय सदस्यों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

डॉ. प्रदीप कुमार ने उपस्थित सभी लोगों का स्वागत करते हुए हैकइंडिया के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल प्रतियोगिता और सीखने के लिए बल्कि वेब 3 स्पेस में अत्याधुनिक समाधान विकसित करने के लिए भी एक प्रभावी मंच प्रदान करते हैं। मुख्य सत्र में एल्केमी में डेवलपर रिलेशंस के प्रमुख

साहिल औजला ने ब्लॉक चेन तकनीक के विभिन्न पहलुओं पर रोचक जानकारी सांझा की, जिसमें स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट्स, एनएफटी और बिटकॉइन शामिल थे। उन्होंने प्रतिभागियों को एल्केमी के डेवलपर टूल्स का उपयोग करके ब्लॉकचेन एप्लिकेशन विकसित करने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद आकाश नेटवर्क से श्री पोयूष और श्री चेतन्या ने डिस्ट्रिब्यूटेड क्लाउड मार्केटप्लेस की विशेषताओं पर प्रकाश डाला, जो



सेंट्रलाइज्ड क्लाउड नेटवर्क की चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करता है। रेयर टेक के कंसल्टेंट सुरेश ने एनएफटी तकनीक के वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के साथ एकीकरण के बारे में प्रतिभागियों को

जानकारी दी, जिससे कंटेंट क्रिएटर्स अपने कार्यों को टोकनाइज कर सकते हैं। हैकथॉन में जनेरलिंग एंडाईंग मशीन लर्निंग, ऑगमेंटेड रियलिटी, वर्चुअल रियलिटी, आईओटी, क्लाउड और एक

ओपन ट्रेक सहित विभिन्न प्रॉब्लम डोमेन शामिल थे। कार्यक्रम को रेयर टेक, लोटस, एम्पल, शार्प इन्वोवेशन फाउंडेशन, आकाश नेटवर्क, एल्केमी और सोलाना जैसी अग्रणी कंपनियों का समर्थन प्राप्त हुआ।

समापन सत्र में एमआरआईआईआरएस के वाइस चॉसलर, डॉ. संजय श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और इस तरह की प्रतियोगिताओं को युवा प्रतिभाओं के लिए एक महत्वपूर्ण

मंच बताया। इसके बाद पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया, जहां शीर्ष 10 टीमों की घोषणा की गई। टीम डेश विजेता रही, टेक्नो निंजा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया और टीम संकल्प तीसरे स्थान पर रही।

खाद्य वस्तुओं की गुणवत्ता दरकिनार, स्वास्थ्य की दरकार

कनीना सुनील दीक्षित
देश-प्रदेश में फास्ट फूड व जंक फूड का प्रचलन दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। इसका व्यवसाय करने वाले लोग भले ही आर्थिक रूप से फल-फूल रहे हों लेकिन इसका इस्तेमाल करने वाले व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। फास्ट फूड में शामिल पीजा, बर्गर, चाउमीन, गोलगप्पे, दहीभल्ले, छोले-भटूरे, सैंडविच, पनीर-कूलचे इत्यादि की ओर बच्चे से लेकर जवान तक बहुत आकर्षित हो रहे हैं। सड़क किनारे धूल-मिट्टी तथा मच्छर-मक्खियों के चंगुल में फंसे इन खाद्य पदार्थों को चटखारे लेकर खाया जा रहा है। जबकि इसके सर्वाधिक दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। लैब टेस्टिंग में भले ही इन खाद्य पदार्थों के सभी नमूने फेल हो जाएं लेकिन 5 से 30 वर्ष तक के युवक-युवतियों की नजरों में वे पूर्णरूप से पास हैं। ये खाद्य पदार्थ जैसे खर्च कर बिमारी मौल खरीदने जैसे हैं। एक अनुमान के आधार पर कनीना सब डिवाजन के विभिन्न गांवों एवं शहर में फास्ट फूड के करीब 500 बूथ संचालित हैं जबकि जिलेभर में इनकी संख्या 2400 आंकी गई है। जिनके माध्यम से प्रतिदिन लाखों रंगुल का कारोबार होता है। क्या बच्चे-क्या बड़े सभी की ओर से बड़े चाव के साथ मुंह मॉगें दाम में ये फूड खाया जाता है। आजकल इसकी बिक्री ऑनलाईन भी होने लगी है। जिससे बची-खुची गुणवत्ता भी तार-तार हो रही है। गुणवत्ता की जिम्मेवारी सरकार की प्रबुधजनों सत्यवीर सिंह, विनोद कुमार, सुनील कुमार का कहना है कि आमजन के स्वास्थ्य की रक्षा करने की सरकार व स्वास्थ्य विभाग की अहम जिम्मेवारी बनती है। जो समय-समय पर ऐसे बूथों पर जाकर उसकी गुणवत्ता व स्वच्छता का अवलोकन करें और संहितजनक व दूषित खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर लैब में जांच करवाएं। सैंपल फेल होने पर हत्या जैसी घांरा के तहत केस दर्ज किया जाए। सख्ती बरतने के साथ ही आमजन की सुरक्षा बनी रह सकती है। फास्ट फूड सेवन से हो सकती है कैंसर जैसी घातक बिमारी: डॉ. निदेश कुमार इस बारे में नागरिक अस्पताल नारनौल में कार्यरत डॉ. निदेश कुमार ने बताया कि फास्ट फूड का इस्तेमाल स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव डालता है। उनकी राय में फास्ट फूड खाने से घर के खाने की आदत छूट जाती है वहीं ये भोजन नियमित लेने से अपच, गैस बनने सम्बंधी समस्या, लिवर को कमजोर करने, मधुमेह, बीपी, बवासीर, हार्ट प्रोब्लम, कैंसर, आंतों की सफाई न होने देने की समस्या, दांत-मसूड़ों के खराब होने की समस्या तथा त्वचा रोग सम्बंधी विकार उत्पन्न हो जाते हैं। इयुनिटी घट जाती है तथा मोटापा बढ़ने लगता है। क्या कहते हैं फूड सैफ्टि अधिकारी इस बारे में फूड सैफ्टि अधिकारी डॉ. राजेश वर्मा ने बताया कि फूड सैफ्टि के अंतर्गत दुकानदारों का लाइसेंस रजिस्ट्रेशन जरूरी है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की देखरेख में फूड सैफ्टि एक्ट लागू है। दूध व मिठाई विक्रेताओं को अपनी दुकानों का पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। खाद्य पदार्थों के निमाता, पैकर्स, होल सेलर्स, निमात-आयात करने वाले, होटल-रेस्टोरेंट, क्लब, कैटेरी, मिठाई, आइसक्रीम सहित ऐसे दुकानदार जो परिवहन एवं पंढारण करने वाले हैं। वे सभी इस एक्ट के दायरे में आते हैं। खाद्य पदार्थों में मिलावट करने तथा एक्सपायरी डेट के बाद सामान बेचे जाने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। उनके पास महेंद्रगढ़, रेवाड़ी तथा झज्जर जिले की जिम्मेवारी है। फिर भी खाद्य वस्तुओं के समय-समय पर सैंपल एकत्रित कर जांच के लिए लैब में भेजे जा रहे हैं। आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा।

ईडी की कार्रवाई से कांग्रेस पार्टी नेताओं में चली चचाई

कनीना सुनील दीक्षित
प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय, ईडी ने विधान सभा चुनाव के ऐन वक्त पर शिकंजा कस दिया है। ईडी की इस कार्रवाई का उन पर कितना असर रहता है ये तो समय ही बताएगा लेकिन विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी को नुकसान उठाने की संभावना बन गई है। ईडी द्वारा की गई इस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं में तरह-तरह की चचाई व्याप्त है। दूसरी ओर हुड्डा के भाजपा में जाने सकिता मिलने से कार्यकर्ताओं में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। सूत्रों से मिली पुख्ता जानकारी के मुताबिक ईडी ने हुड्डा की एम्पार डीडिया लि. और एमजीएफ डेवलपर सहित इसमें सिलपत अन्य आरोपियों के विरुध मनी लॉन्ड्रिंग जांच के अंतर्गत ये कार्रवाई की है। पीएमएलए 2002 के तहत गुरुग्राम व दिल्ली के 20 गांवों में स्थित 401.65479 एकड़ जमीन के रूप में करीब 834 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति को अस्थायी रूप से जब्त किया है। जिसमें एम्पार डीडिया लि. के 501.13 करोड़ व एमजीएफ डेवलपर लिमिटेड की 332.69 करोड़ की संपत्ति शामिल है। कहा जा रहा है कि वर्ष 2009 में हरियाणा सरकार ने गुरुग्राम के सेक्टर 58, 63, 65, 67 में 1417.07 एकड़ जमीन के भूमि अधिग्रहण अधिनियम 1894 की धारा 4 के तहत अधिसूचना जारी की गई थी। ईडी ने भूपेंद्र हुड्डा से बीते जनवरी माह में मानेसर लैंड डील केस में चंडीगढ़ में लंबे समय तक पृष्ठताछ की थी। माना जा रहा है कि इस प्रकरण को लेकर लोकसभा चुनाव से पूर्व कांग्रेस पार्टी की अलविदा कद चुके पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह की ओर से एक सितंबर, 2-विचार को सुबह 10 बजे यादव धर्मशाला महेंद्रगढ़ में कार्यक्रमों की बैठक आयोजित की है। इस बैठक में विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति तैयार की जायेगी। हुड्डा की गलत नीतियों के चलते उन्होंने पार्टी छोड़ी थी।

हरियाणा पर्यटन विभाग द्वारा 50वीं वर्षगांठ पर 01 सितंबर को होगा कार्यक्रम: हरविंद

समाचार गेट/निकिता माधोगडिया
रेवाड़ी: हरियाणा पर्यटन विभाग आगामी 01 सितंबर को अपनी 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कर वर्षगांठ को गरिमामयी ढंग से मनाने की रूपरेखा तैयार की है। आमजन को बेहतरीन भोजन प्रबंधन सहित पर्यटन केंद्र सैंडपाइपर रेवाड़ी व जंगल बबलर पर्यटन रिसेंट धारुहेड़ा में आने वाले पर्यटकों को पर्यटन व्यवस्था के साथ ही सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं भागीदारी (स्वीप) के अंतर्गत अपने मताधिकार का प्रयोग विधानसभा चुनाव में करने के लिए जागरूक भी किया जाएगा। हरियाणा पर्यटन विभाग के जूनल हेड हरविंद यादव ने इस संदर्भ में लोगों को पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में बधाई देते हुए पर्यटन



केंद्रों में आयोजित कार्यक्रमों में भागीदार बनने का आह्वान किया। श्री यादव ने बताया कि हरियाणा पर्यटन विभाग की स्थापना 01 सितंबर, 1974 को हुई थी और प्रतिवर्ष 01 सितंबर को हरियाणा पर्यटन विभाग की सालगिरह मनाई जाती है। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष इस दिन टूरिस्ट रिसेंट में अनेक प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम

नकली शराब तैयार करने के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

समाचार गेट/निकिता माधोगडिया
रेवाड़ी : अपराध शाखा-ककधरुहेड़ा इंचार्ज निरीक्षक योगेश हुड्डा की टीम ने नकली शराब तैयार करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। जांचकर्ता ने बताया कि दिनांक 12 दिसंबर 2023 को पुलिस को सूचना मिली थी कि गुरुग्राम को तरफ से एक टाटा गाड़ी आ रही है जिसमें नकली शराब बनाने की मशीनों के साथ शराब भरी हुई है। सूचना के बाद पुलिस ने आवककारी कराधान विभाग की टीम को भी मौके पर बुला लिया और उसके पश्चात वाहन की चेकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान गुडगांव की तरफ से आई एक बंद गाड़ी की टाटा गाड़ी को चेकिंग के लिए रोका गया तो गाड़ी में तीन व्यक्ति मौजूद थे। गाड़ी में बंदे व्यक्तियों ने अपना नाम पवन निवासी कसौला जिला रेवाड़ी, अजय व अर्जुन निवासी पान कटड़ा थाना पिल्लौर जिला कानपुर यु.पी. बतलाया। गाड़ी चालक पवन कुमार से गाड़ी का लॉक खुलवाया गया तो उसमें में ओल्ड मॉक शराब के 5



बोतल, देशी शराब के 10 पखे बिना मार्का के मिले। इसके बाद पुलिस ने अलग अलग बैग से अग्नी व देशी शराब के कुल 7876 दक्कन बरामद किए। इसके अलावा टीम ने दक्कन लगाने की 3 मशीनों को भी जब्त किया। टीम ने यहां से 02 इंच भी बरामद किए हैं जिसमें 20 लीटर केमिकल मिला है। इसके अलावा गाड़ी से कुल 279 खाली गता पेटी, 13490 खाली पखे, देशी शराब के 42750 रैपर और अग्नी शराब के 7875 रैपर पकड़े थे। इसके अलावा 64016 होलोग्राम पकड़े। पुलिस द्वारा पृष्ठताछ में आरोपियों ने बताया की वह मानेसर के पास गांव सहारावन में नकली शराब बनाने की फैक्ट्री चलाते थे। आरोपी नकली शराब को गुरुग्राम व राजस्थान में शराब टेकेदारो व अन्य जगहों पर सप्लाई करते थे। जिस पर पुलिस की अलग अलग टीमों द्वारा गांव सहारावन व गुरुग्राम के अन्य इलाकों में रैड की गई तथा मामले में नकली

शराब सप्लाई करने वाले दलाल गांव नाहरपुर निवासी नरेश सहित 02 शराब टेकेदार भोंडीसी निवासी प्रशांत उर्फ सोनू राघव व गांव नखडोला निवासी संजय को काबू किया गया। आरोपियों के कब्जे से कुल 306 पेटी नकली देशी शराब मसालेदार माल्टा अरेंज बरामद की गई। जिस पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना धारुहेड़ा में मामला दर्ज करके 17 आरोपी पवन, अजय, अर्जुन, संजय, नरेश, प्रशांत, दिनेश, श्याम, इन्द्रजित उर्फ इन्दु, अमरीक उर्फ अमित, मुकेश शर्मा, संदीप, कुनाल राघव, परमवीर राघव, प्रकाश, रामनिवास व धर्मेंद्र को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। अपराध शाखा-कक धारुहेड़ा पुलिस ने इस मामले में एक और आरोपी गांव कसौला निवासी सुरेंद्र को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से नकली शराब बेचकर कमाए हुए 01 लाख 7 हजार 500/- रुपये बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपी को पेश अदालत करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

टाइगर ने पकड़ी वापिस सरिस्का अभयारण्य की राह



समाचार गेट/निकिता माधोगडिया
रेवाड़ी : राजस्थान के सरिस्का टाइगर अभयारण्य केंद्र से भागा हुआ एसएस टी 2303 टाइगर लगभग 15 दिन पूर्व बावल के झावुआ जंगल में आ गया था। हरियाणा व राजस्थान की टीम ने टाइगर को पकड़ने के लिए जंगल में 15 सीसीटीवी कैमरे भी लगाए ताकि टाइगर को मूवमेंट और लोकेशन का पता लगाया जा सके। वन विभाग की टीम को कामवाची भी मिली, टाइगर के न केवल पदचिह्न मिले बल्कि उसकी मूवमेंट भी कैमरे में कैद हुई। वन विभाग की टीम ने टाइगर को पकड़ने के लिए बड़ा गिजरा भी मंगाया लिया था व उसके खाने के लिए प्रबंध भी किया था। मगर टाइगर बहुत शांति निकला वह वन विभाग द्वारा बिछाए गए जाल के पास फटका ही नहीं। टीम कई दिन से लगातार उसे ट्रेस करने का प्रयास करती रही मगर वह कहीं नहीं दिखा। अभी राजस्थान के एक गांव से सूचना आई की टाइगर के पगमार्ग खेत में दिखाई दिए हैं। कोटकासिम थाना प्रभारी व वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। टीम का अनुमान है कि अब टाइगर वापिस हो रहा है। उम्मीद है जल्द ही वापिस सरिस्का अभयारण्य में पहुंच जाएगा। फिर भी वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों से स्टार्क रहने की अपील भी की है।

मक्खी-मच्छरों पर नियंत्रण पाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने मानपुरा में की फोगिंग



कनीना सुनील दीक्षित
कनीना खंड के गांव मानपुरा में शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों मक्खी-मच्छर तथा अन्य जहरीले कीट पर नियंत्रण पाने के लिए फोगिंग की। पीएचसी भोजवास में कार्यरत स्वास्थ्य निरीक्षक राजकुमार ने बताया कि बारिश के मौसम में तरह-तरह के विषाणु पैप जाते हैं। जिससे बिमारियों का खतरा बढ़ जाता है। डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, फोवर व आई फ्लू जैसी बिमारियां होने की खतरा रहता है। बिमारी से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने फोगिंग की है। उन्होंने बताया कि मलेरिया के मरीज सामने आने पर दवा का छिड़काव किया जाता है। उन्होंने कहा कि मलेरिया एनाप्लीज माइ मच्छर के काटने से संपन्नता है। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए उन्होंने कहा कि वे अपने घर के नजदीक गंदा पानी जमा न होने दें, घर के अंदर फर्श पर फिनाईल का पौधा लगाएं। सप्ताह में एक दिन ड्राई-डे के रूप में मनाएं। घर के बर्तनों, कूलर, टंकी, फ्रिज, गमले को सूखकर प्रयोग में लाएं। उन्होंने कहा कि खुबर होने पर नजदीकी अस्पताल में जाकर चिकित्सक से परामर्श लें।

अटेली हलके की जनता की नजरें कांग्रेस व भाजपा द्वारा घुंति टिकिए जाने वाले उम्मीदवारों पर टिकी

कनीना सुनील दीक्षित
अटेली हलके से कांग्रेस तथा भाजपा की ओर से उम्मीदवार घोषित नहीं करने से कार्यकर्ताओं में राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। आमजन की नजरें कांग्रेस व भाजपा उम्मीदवारों पर ही टिकी हुई हैं। कांग्रेस पार्टी के करीब दो दर्जन से अधिक आवेदनों की सूचि में नामनात्र नाम पैनल में बचने से संभावित प्रत्याशियों द्वारा पूरी जोर-अजमाईश की जा रही है। हजकां से विधायक रहे राव नरेंद्र सिंह व 2019 में जेजेपी की टिकट पर बेटे को विस चुनाव में उतारने वाली अंतिमा यादव के नामों पर गहनता से चर्चा की जा रही है। दोनों ही उम्मीदवार हुड्डा गुट से सम्बंध रखते हैं इसी प्रकार भाजपा में टिकट के लिए नामों पर चर्चा की जा रही है। भाजपा जीताऊ तथा हैवीवेट केडीडेट की तलाश कर रही है। कौर कमेटी की ओर से 55 नामों की सूचि तैयार की है। जिसे शीघ्र ही जारी किए जाने की संभावना है। केंद्रीय मंत्री राव इंदजीत सिंह की बेटे आरती सिंह राव का नाम अग्रिम पंक्ति में है। भाजपा शीर्ष नेतृत्व की ओर से तय मानदंड के मुताबिक प्रत्याशी ताराशे जा रहे हैं। आरती राव, श्रुति चौधरी, भव्य विश्रॉई विधान सभा चुनाव के केंडीडेट हो सकते हैं। कृष्णपाल गुर्जर के बेटे को टिकट देने पर मंथन किया जा रहा है। दूसरी ओर आरती राव को टिकट मिलने के बाद क्या समीकरण बनेंगे ये अभी भविष्य के गर्भ में है। विधायक सीताराम यादव व संतोष यादव की गिनती भी पार्टी के

लोकतंत्र में एक-एक वोट का है महत्व : सीईओ डीआरडीए

समाचार गेट/निकिता माधोगडिया
रेवाड़ी: औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रेवाड़ी में सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं भागीदारी (स्वीप) कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान के युवा छात्र व छात्राओं को मतदान के प्रति जागरूक व जिम्मेदार बनाने के लिए डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक मीणा के मार्गदर्शन में संस्थान परिसर में मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। शुक्रवार को सीईओ डीआरडीए विकास यादव जागरूकता कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि पहुंचे। संस्थान के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक, भाषण, कविता-वाचन सहित रचनात्मक कलाकृतियों की प्रस्तुति व पेंटिंग आदि के माध्यम से आगामी विधानसभा आम चुनाव में देश का एक जिम्मेदार नागरिक बनकर वोट डालने के लिए प्रेरित किया गया।



सीईओ विकास यादव ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हर एक वोट का महत्व होता है। मतदान जनता की शक्ति होती है। इसके बदलेत वे लोग अपने मनपसंद जनप्रतिनिधि का चुनाव करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कराया जाता है। जिला प्रशासन की पूरी कोशिश रहती है कि अधिक से अधिक लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि मतदाता प्रतिशत बढ़ाने के लिए बुद्धिजीवियों को आगे आने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा इस बात का ध्यान रखा जा रहा है कि एक भी व्यक्ति मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित न रहे और अपने मताधिकार का बहचदकर प्रयोग करें। उन्होंने युवा शक्ति को मतदान के इस पर्व में भागीदार बनने के लिए

प्रेरित किया और मतदान प्रतिशत बढ़ाने में सुरुधार की भूमिका में अग्रणी रहने के लिए प्रोत्साहित किया। जिला में विधानसभा आम चुनाव के तहत मतदाता प्रतिशत बढ़ाने के लिए आयोजित की जा रही स्वीप गतिविधियों के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय करनावास की छात्राओं किशन, स्वीटी, संजना, एकता, कोमल, निशिका, वंदना, चंचल, रिया ने विख्यात रंगकर्मी संतोष मस्तान के निर्देशन में नुक्कड़ नाटक का मंचन किया और मतदाताओं को बहचदकर मतदान करने का संदेश दिया। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान प्रवक्ता सुधीर यादव ने जागरूकता अधिवास के उद्देश्य से अलग करते हुए प्रयोजनीय प्रतियोगिता का भी आयोजन किया।

प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस पर बैठे दो युवको पर फायरिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

समाचार गेट/निकिता माधोगडिया
रेवाड़ी: एसपी रेवाड़ी गौरव राजपु-रोहित दिशा निर्देश में कार्य करते हुए अपराध शाखा-करेवाड़ी इंचार्ज निरीक्षक सुभिर सिंह की टीम ने पेटोदी रोड पर प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस पर बैठे दो युवकों पर फायरिंग करके जानलेवा हमला करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांचकर्ता ने बताया कि दुर्गा कालोनी रेवाड़ी निवासी सचिन यादव ने अपनी शिकायत में बताया था की उसने पेटोदी रोड पर अपना प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस एक तंबू में बना रखा है। 23 अगस्त 24 को उसके



ऑफिस पर गांव गोकलगढ़ निवासी योगेश सैनी व गांव साहलावास गुर्जर निवासी रविशंकर उर्फ रविन्द चन्द बैठे हुए थे तभी गांव गोकलगढ़ निवासी मोहित व गांव डाडिना निवासी विक्रमो वहा आए और जान से मारने की निवत से उन्होंने योगेश सैनी व रविशंकर उर्फ रविन्द चन्द पर सीधे फायरिंग शुरू कर दी। जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो

गए। फायरिंग कर दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना सदर रेवाड़ी में हत्या के प्रयास व आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। इस मामले में अपराध शाखा-करेवाड़ी पुलिस ने वीरवार को मामले में दोनों आरोपी गांव डाडिना निवासी विकास उर्फ विक्रमो व गांव गोकलगढ़ को जवाहर कालोनी निवासी मोहित उर्फ अनाडी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों को पेश अदालत करके पृष्ठताछ के लिए पांच दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

सतयुग दर्शन ट्रस्ट द्वारा होगी ओपन फार ऑल नेशनल लेवल स्प्रिचुअल एलोक्वेंस कंपीशन

समाचार गेट/निकिता माधोगडिया
रेवाड़ी : सतयुग दर्शन ट्रस्ट, मानवता विकास क्लब और सतयुग दर्शन संगीत कला केंद्र ने 2 अक्टूबर 2024 को वसुंधरा, फरीदाबाद में ओपन फार ऑल स्प्रिचुअल एलोक्वेंस कंपीशन का आयोजन करने की घोषणा की है। जिसमें रेवाड़ी शहर के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों के विद्यार्थी, शिक्षकगण ममेत कोई भी हिस्सा ले सकता है। यह प्रतियोगिता सभी आयु वर्गों और पृष्ठभूमियों के लिए खुली है और प्रतिभागियों को आध्यात्मिकता और व्यक्तिगत विकास पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए आमंत्रित करती है। यह प्रतियोगिता व्यक्तियों को अपनी अंतरात्मा को व्यक्त करने, अपने वाक्य कौशल का प्रदर्शन करने और दूसरों को प्रेरित करने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए

आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक चलेगी और एक प्रतिष्ठित न्यायाधीशों की टीम द्वारा इसका निर्णय किया जाएगा, जिसमें एक आध्यात्मिक नेता, एक प्रेरक वक्ता और एक शिक्षा-विद शामिल हैं। विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए जाएंगे, जिसमें पहला पुरस्कार ₹11,000, दूसरा पुरस्कार ₹5,100 और तीसरा पुरस्कार ₹2,100 होगा। इस प्रतियोगिता का पहला चरण 4 सितंबर को ऑनलाइन स्क्रोनिंग के रूप में किया जा रहा है दूसरा चरण 22 सितंबर को ऑनलाइन हो होगा और तीसरा चरण 2 अक्टूबर को फरीदाबाद वसुंधरा में स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित किया जा रहा है हल्हृक प्रतिभागो संस्था से संपर्क करके 3 सितम्बर तक अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

विधानसभा चुनाव को लेकर पुलिस अलर्ट, रेवाड़ी पुलिस व आरपीएफ के जवानो ने कोसली में निकला फ्लैग मार्च

समाचार गेट/निकिता माधोगडिया
रेवाड़ी: एसपी गौरव राजपुरोहित के दिशा निर्देश पर जिला पुलिस ने वीरवार को विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न करने व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोसली क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च का नेतृत्व डीएसपी कोसली विद्यानन्द द्वारा किया गया। फ्लैग मार्च में प्रबंधक थाना कोसली निरीक्षक मुकेश चन्द सहित आरपीएफ व पुलिस के जवान शामिल रहे। फ्लैग मार्च के दौरान लोगों से भयमुक्त मतदान करने की अपील की गई। कोसली क्षेत्र में फ्लैग मार्च कोसली थाने से शुरू धनिया मोड़ व आकाश पायलेट चौक होते हुए अक्खा



कोसली एरिया में निकाला गया। एसपी गौरव राजपुरोहित ने कहा कि निष्पक्ष व स्वतंत्र चुनाव करवाना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष करने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद व तैयार है। चुनाव में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी व लोगों में भय पैदा करने वालों के खिलाफ पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिले के संवेदनशील व अतिसंवेदनशील बूथों पर सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम रहेंगे। आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भी पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी।

प्रीमियम बाइकों की तरफ लोगों का रुझान बढ़ा, 100-110 सीसी बाइक पिछड़ी

ग्रामीण क्षेत्र में 14.5 और शहरी क्षेत्र में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई



नई दिल्ली ।

पिछले कुछ समय से मोटरसाइकलों में प्रीमियम श्रेणी की तरफ स्पष्ट रुझान दिख रहा है। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स (सायम) के आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल और जुलाई 2024 के बीच 75 सीसी से

ज्यादा और 110 सीसी तक की इंजन क्षमता वाली 18,65,061 मोटरसाइकलें बिकीं और उन्होंने आठ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इसके विपरीत इसी अवधि में कुल मोटरसाइकल बिक्री में 14 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब वैश्विक महामारी के बाद अप्रैल-जुलाई की अवधि में दोपहिया वाहनों की

ग्रामीण मांग में वृद्धि पहली बार शहरी बहोती से आगे निकल गई और दोपहिया वाहन उद्योग में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसमें ग्रामीण क्षेत्र में 14.5 प्रतिशत और शहरी क्षेत्र में केवल 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। दोपहिया वाहनों का ग्रामीण अनुपात बेहतर हो रहा है। इसमें लगभग 52 प्रतिशत ग्रामीण और 48 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों की बिक्री शामिल है। अच्छे मौसम, सकारात्मक धारणा और पहली बार खरीदारी करने वालों के शौरूम में लौटने से यह वृद्धि हुई है। आम तौर पर सड़कों की हालत और अन्य कारकों की वजह से ग्रामीण क्षेत्रों में मोटरसाइकलों की मांग स्कूटरों से ज्यादा होती है। इसलिए जब दोपहिया वाहनों की ग्रामीण बहोती दर शहरी दर को पीछे छोड़

रही है और 100 से 110 सीसी बाइक की वृद्धि दर भी उद्योग की औसत वृद्धि से कम हो रही है तो इसका मतलब यह है कि ज्यादा प्रीमियम बाइकों की तरफ रुझान बढ़ रहा है। उदाहरण के लिए 125 सीसी बाइक वाली श्रेणी में अप्रैल-जुलाई 2024 के बीच 21 प्रतिशत की वृद्धि नजर आई जबकि 125 से 150 सीसी वाली श्रेणी में 46.5 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी गई। होज मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पहले चार महीने में 100 सीसी, जो मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्र में ज्यादा बिकता है, के मामले में उद्योग की वृद्धि एक अंक में थी। हालांकि उद्योग का कुल इजाफा 14-15 प्रतिशत से ज्यादा रहा।

जोमैटो तीसरा बड़ा बिजनेस-टु-कंज्यूमर कारोबार शुरू करेगी

नई दिल्ली ।

फूड डिलिवरी और क्लिक फॉर्मर्स क्षेत्र में कारोबार मुनाफे में पहुंचाने के बाद जोमैटो के डिस्ट्रिक्ट ऐप के जरिये अपना तीसरा बड़ा बिजनेस-टु-कंज्यूमर (बी2सी) कारोबार शुरू करने की योजना पर काम कर रही है। जो जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। इस नए कारोबार के साथ जोमैटो बड़े स्तर पर असंगठित लाइव कार्यक्रमों और टिकटिंग मार्केट में

अपना भाग्य आजमा रही है। ई-कॉमर्स के एक निवेशक ने कहा कि जोमैटो ऐसे कारोबार बना रही है जो एक-दूसरे से अलग स्वतंत्र रूप से काम कर सकते हैं। इसका फायदा यह है कि अगर कोई विशेष कारोबार वांछित रिटर्न नहीं देता है या वृद्धि के लिहाज से पिछड़ जाता है तो जोमैटो के पास अन्य ऐसे अप्रभावित कारोबार होंगे जो वृद्धि को बढ़ावा दे सकते हैं। इस संबंध में जोमैटो की रणनीति अपनी गैर-मूचीबंद



प्रतिस्पर्धी स्विगी से अलग है जो अपनी सभी पेशाकशों को एक सुपर ऐप के तहत लाने की कोशिश कर रही है। निवेशक ने कहा कि स्विगी का

दुर्लभ कंपनी को फूड डिलिवरी और क्लिक फॉर्मर्स में अपने उत्पादों को 'क्रॉस-सेल करने की सुविधा देना है। यह जोमैटो के लिए चुनौती रही है।

यूपीआई का दुनिया में फैल रहा नेटवर्क, अमेरिका लगा रह अड़ंगा

-वैश्विक लेन-देन को तेज और सस्ता बनाने की दिशा में आरबीआई कर रहा काम

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर यूपीआई जैसे समाधानों की पहुंच को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लाने की गंभीर रखा है। इसके लिए आरबीआई विदेशों में यूपीआई इंफ्रास्ट्रक्चर की तैनाती, वयूआर कोड-आधारित भुगतान की सुविधा और यूपीआई को अन्य देशों की भुगतान प्रणालियों से जोड़ने की दिशा में काम किया जा रहा है लेकिन वैश्विक लेन-देन को तेज और सस्ता बनाने के लिए यूपीआई जैसे भुगतान माध्यमों को अंतरराष्ट्रीय

स्तर पर आपस में जोड़ने में अमेरिका अड़ंगा लगा रहा है। अमेरिका के फेडरल रिजर्व सिस्टम के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य क्रिस्टोफर जे. वालर ने यूपीआई जैसे विकल्पों को तेजी से भुगतान करने की क्षमता पर सवाल उठाए हैं। ग्लोबल फिनेटेक फेस्ट में क्रिस्टोफर ने यूपीआई को लेकर कहा कि आज के उपभोक्ता और व्यवसाय दुनिया के किसी भी हिस्से में रुपया भेज सकते हैं, लेकिन वे चाहते हैं कि वे भुगतान तेज और सस्ते हों, जैसे हम हमेशा तेज उड़ने और सस्ते हवाई किराए चाहते हैं। उन्होंने कहा मुझे पुरा

विश्वास नहीं है कि इंटरलिंकिंग व्यवस्थाएं इन लक्ष्यों को हासिल कर सकेंगी। इसी फेस्ट में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यकारी निदेशक पी. वासुदेवन ने भी शामिल हुए थे। वासुदेवन ने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच फास्ट पेमेंट नेटवर्क को जोड़ने के विचार को लेकर आरबीआई आशांनित हैं। उन्होंने कहा कि अपने एक सकारात्मक उम्मीद दी है कि हम फेडरल और यूपीआई के बीच लिंकिंग होते देख सकते हैं, भले ही इसमें थोड़ा समय लगे। गौरतलब है कि अमेरिकी फेड ने

अपना खुद का तेज भुगतान नेटवर्क, फेडनॉट सर्विस, लॉन्च किया है। अमेरिका को अभी इसे पूरे अमेरिका में विस्तारित करने में कुछ समय लगेगा। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि हमारा मुख्य एजेंडा विदेशों में यूपीआई इंफ्रास्ट्रक्चर की तैनाती, अंतरराष्ट्रीय व्यापारी स्थानों पर यूपीआई ऐप के जरिए से वयूआर कोड-आधारित भुगतान की सुविधा प्रदान करना और सीमा पर प्रेषण के लिए यूपीआई को अन्य देशों की फास्ट पेमेंट सिस्टम से जोड़ना है।

मूडीज ने भारत की जीडीपी विकास दर 7.2 प्रतिशत की

नई दिल्ली । अमेरिकी

रैटिंग एजेंसी मूडीज की ओर से 2024 के लिए भारत की जीडीपी विकास दर अनुमान को बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत किया है, जो कि पहले 6.8 प्रतिशत था। विकास दर अनुमान में बहोतीरी की वजह देश में निजी खपत का तेजी से बढ़ना है। मूडीज ने कहा, देश में महंगाई में कमी आने से परिवारिक खपत में बहोतीरी हो रही है। सामान्य से अच्छा मानसून रहने के कारण अच्छे फसल होने की उम्मीद है, इसका ग्रामीण मांग वापस लौट रही है। इस अनुमान में माना है कि आगे मजबूत वृद्धि दर देखने को मिलेगी। मूडीज का यह अनुमान आरबीआई के अनुमान के बराबर है। केंद्रीय बैंक आरबीआई के अनुमान के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। इसका कारण देश में ग्रामीण और शहरी मांग में बहोतीरी होना है। आरबीआई की ओर से वृद्धि दर अनुमान के दौरान बताया गया था कि देश में मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे कृषि क्षेत्र में मजबूत शोध देखने को मिल सकता है। मूडीज द्वारा 2025 के लिए विकास दर अनुमान को भी 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया गया है। मौजूदा माहौल में देश आराम से 6 से 7 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर हासिल कर सकता है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत की आर्थिक स्थिति पिछले कुछ वर्षों में काफी मजबूत हुई है। इसकी वजह चालू खाते घाटे को कम करना है। मूडीज का मानना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की गति आने वाले समय में धीमी हो सकती है।



तमिलनाडु सरकार ने कई निवेशकों के साथ किए समझौते



चेन्नई ।

तमिलनाडु सरकार ने राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की अध्यक्षता में अमेरिकी राज्यों के दौरान माइक्रोचिप, नौकिया और पेंसल सहित कई संभावित निवेशकों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। इससे टीएन के मुख्यमंत्री और उद्योग मंत्री टीआरवी राजा की

उपस्थिति में माइक्रोचिप के साथ एक समझौता ज्ञान पर हस्ताक्षर किए। माइक्रोचिप का प्रतिनिधित्व पैट्रिक जॉनसन और ब्रूस वेबर ने किया। इसके तहत सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी में अनुसंधान एवं विकास केंद्र की स्थापना चेन्नई के सेम्पंचेरी में की जाएगी। इसकी लागत 250 करोड़ रुपये होगी और इससे 1,500 नौकरियों के अवसर मिलने की उम्मीद है। राजा ने

सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और उद्योग मंत्री डॉ. टीआरवी राजा की उपस्थिति में गाइडेंस टीएन नौकिया के साथ एक समझौता ज्ञान पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत दुनिया में सबसे बड़े फिक्स्ड नेटवर्क टेस्ट बेड के रूप में नौकिया के नए अनुसंधान एवं विकास केंद्र को 10जी, 25जी, 50जी और 100 जीपीओएन फिक्स्ड वायरलेस एक्ससेस, एमडीयू समाधानों में नवाचारों के लिए, एसआईपीसीओटी। सिरुसेरी, कोल्लपट्टु में 450 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित किया जाएगा, जिससे 100 नौकरियों का सृजन होगा। स्टालिन 2030 तक राज्य को एक अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए की जा रही इस महत्वाकांक्षी अमेरिकी

यात्रा में एक उच्च स्तरीय आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को सैन फ्रांसिस्को में संभावित निवेशकों के साथ एक बैठक की। तमिलनाडु सरकार ने एलाइड मैटेरियल्स, गोकमहाइड्स, योल्ड इंजीनियरिंग सिस्टम के साथ भी समझौता ज्ञान पर हस्ताक्षर कर दिए। मुख्यमंत्री स्टालिन 31 अगस्त को तमिल समुदाय को संबोधित करेंगे। इसके बाद दो सितंबर को वह शिकागो में अमेरिकी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करेंगे तथा उनसे तमिलनाडु में निवेश करने का आह्वान करेंगे। यात्रा के दौरान वह फॉर्च्यून 500 कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) से मिलेंगे। वह 14 सितंबर को चेन्नई लौटेंगे।

मुकेश अंबानी का करोड़ों शेयरधारकों को एक पर एक ऑफर



मुंबई ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने घोषणा की है कि कंपनी का बोर्ड 5 सितंबर को होने वाली बैठक में 1:1 बोनस शेयर इश्यू के प्रस्ताव पर विचार करेगा। यदि प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तब रिलायंस के शेयरधारकों को प्रत्येक शेयर के बदले एक अतिरिक्त बोनस शेयर मिलेगा। यह कदम कंपनी के शेयरधारकों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा हो सकती है, इससे शेयरधारकों को सीधे लाभ प्राप्त होगा। बोनस इश्यू आमतौर पर कंपनियों द्वारा शेयरधारकों को प्रसूक्त करने और शेयर की लिक्विडिटी बढ़ाने के उद्देश्य से किया जाता है। रिलायंस ने अपनी इस महत्वपूर्ण योजना की जानकारी स्टॉक एक्सचेंजों को दी है, जिससे निवेशकों और बाजार

में हलचल पैदा हो गई है। बोनस शेयर कंपनी द्वारा अपने मौजूदा शेयरधारकों को दिए जाने वाले अतिरिक्त शेयर होते हैं। ये शेयर कंपनी के लाभांश के रूप में नहीं दिए जाते हैं, बल्कि कंपनी के रिजर्व से दिए जाते हैं। जब कोई कंपनी बोनस शेयर जारी करती है, तब इसके मौजूदा शेयरों की संख्या बढ़ती है, लेकिन कंपनी की कुल संपत्ति में कोई बदलाव नहीं होता है। ज़ब्त किसी कंपनी का शेयर मूल्य बहुत अधिक हो जाता है, तब शेयर को छेदे निवेशकों के लिए खरीदना मुश्किल हो जाता है। बोनस शेयर जारी करके कंपनी शेयर की कीमत को कम कर सकती है, जिससे यह अधिक लोगों के लिए मुलभ हो जाता है। बोनस शेयर जारी करके कंपनी अपने शेयरधारकों को खुश कर सकती है और उनके विश्वास को बढ़ा सकती है।

सोने के भाव 72 हजार से नीचे लुढ़के, चांदी भी हुई सस्ती



नई दिल्ली ।

देश के सरफा बाजारों में सोने-चांदी के वायदा भाव में शुक्रवार को नरमी देखने को मिल रही है। सोने के भाव 72 हजार से नीचे गिर गया है तो चांदी में भी गिरावट देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव शुक्रवार को गिरावट के साथ खुले। इस समय सोने के वायदा भाव 71,900 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 84,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कमिक्स पर सोना 2,553.60 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 10.90 डॉलर की गिरावट के साथ शुरुआत नरमी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कंटेन्टर 288 रुपये की गिरावट के साथ 71,900 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 279 रुपये की गिरावट के साथ 71,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कंटेन्टर 344 रुपये की गिरावट के साथ 84,528 रुपये पर खुला। इस समय यह 342 रुपये की नरमी के साथ 84,530 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में आज सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कमिक्स पर सोना 2,553.60 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 10.90 डॉलर की गिरावट के साथ शुरुआत नरमी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कंटेन्टर 288 रुपये की गिरावट के साथ 71,900 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 279 रुपये की गिरावट के साथ 71,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रुपया बढ़त पर बंद



मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया बढ़त के साथ ही 83.84 पर बंद हुआ। इससे पहले रुपया गत 83.89 पर बंद हुआ था। वहीं आज सुबह विदेशी पूंजी प्रवाह और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख से भी शुरुआती कारोबार में रुपया सात पैसे मजबूत होकर 83.82 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.83 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदे के बाद 83.82 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो उसके पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.89 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को आंकेने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की बढ़त के साथ 101.37 पर रहा।

कोरोना महामारी के बाद वीजा आवेदन की संख्या में आई तेजी: रिपोर्ट



नई दिल्ली । कोरोना महामारी के बाद से भारत में वीजा आवेदन की संख्या में बहोतीरी देखने को मिली है। वीजा आवेदन को लेकर एक वीजा सर्विस प्रोवाइडर कंपनी ने एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार कोविड-19 की महामारी के बाद से वीजा आवेदन की संख्या में तेजी देखने को मिली है। रिपोर्ट में दिए गए आंकड़े बताते हैं कि कोरोना महामारी के बाद विदेश यात्रा भी बढ़ गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जून में वीजा आवेदन की संख्या में महामारी के पहले के स्तर को पार कर दिया है। यह आवेदन 2019 की पहली छमाही की तुलना में 2 फीसदी ज्यादा है। वहीं, वर्ष 2023 की तुलना में आवेदन की संख्या 11 फीसदी बढ़ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक पर्सनलाइज्ड सर्विस में वीजा एट योर डोर स्टेप (वीएयडी) की मांग में भी वृद्धि हुई है। साल 2019 की तुलना में वीएयडी की मांग में चार गुना वृद्धि देखने को मिली है। वहीं, 2023 की पहली छमाही की तुलना में वीएयडी में 16 फीसदी की बहोतीरी हुई। वीजा एट योर डोर स्टेप में आवेदन घर या फिर किसी भी स्थान से वीजा आवेदन के प्रोसेस को पूरा कर सकते हैं और जायमेटिक एटोलमेंट सर्विस का लाभ भी उठा सकते हैं।

चेन्नई में बनेगा 10जी-100जी नेटवर्क टेस्टबेड

चेन्नई । नौकिया और तमिलनाडु सरकार के बीच चेन्नई में विश्व का सबसे बड़ा फिक्स्ड नेटवर्क टेस्टबेड स्थापित करने का समझौता किया जाएगा। यह टेस्टबेड अल्ट्रा-हाई-स्पीड इंटरनेट एक्ससेस और तेज बैकडिबिथ के क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देगा। शुक्रवार को मल्टीनेशनल टेलीकॉम कंपनी नौकिया एक समझौते पर हस्ताक्षर करेगी। यह टेस्टबेड नौकिया की 10 गीगाबिट / 25जी, 50जी, और 100जी पॉसिब ऑप्टिकल नेटवर्क में तकनीकी नवाचारों का नेतृत्व करेगा। करीब 450 करोड़ रूपए के निवेश से यह केंद्र स्थापित किया जाएगा और नौकिया की प्रमुख अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं में से एक बनेगा। यह फिक्स्ड वायरलेस एक्ससेस, मल्टी-इवेलिंग यूनिट सॉल्यूशंस, एक्ससेस नेटवर्क और होम कंट्रोल पर भी ध्यान केन्द्रित करेगा। समझौते पर हस्ताक्षर तीन फासिस्को में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की उपस्थिति में किए जाएंगे, जो अमेरिका की 17 दिवसीय यात्रा पर हैं।

बिहार-यूपी सहित कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल हुआ सस्ता

नई दिल्ली । भारतीय ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फेरबदल किया है जिसके अनुसार बिहार और यूपी से हित कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल के भावों में हल्की गिरावट देखी जा रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के आधार पर कीमतों की समीक्षा के बाद रोज पेट्रोल और डीजल के दाम तय करती हैं। जिसके बाद हर सुबह 6 बजे सरकारी तेल कंपनियों पेट्रोल और डीजल का नए रेट अपडेट करती हैं। तेल कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी हैं। जिसके मुताबिक बिहार-यूपी सहित कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है। बिहार में पेट्रोल 22 पैसे घटकर 107.09 रुपये प्रति लीटर और डीजल 21 पैसे घटकर 93.81 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं यूपी में पेट्रोल 31 पैसे घटकर 94.25 रुपये प्रति लीटर और डीजल 7 पैसे घटकर 87.57 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके इलावा महाराष्ट्र में पेट्रोल के दाम 20 पैसे घटकर 104.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 20 पैसे घटकर 90.77 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल की कीमत 91.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

गे, लेस्बियन और ट्रांसजेंडर भी खोल सकतेगे संयुक्त खाता

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने कहा कि एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों के लिए संयुक्त बैंक खाता खोलने और समलैंगिक रिश्ते में रहने वाले बैंक को नामित करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। वित्त मंत्रालय ने हाल ही में पारमर्श जारी कर कहा कि यह स्पष्ट किया जाता है कि समलैंगिक समुदाय के व्यक्तियों के लिए संयुक्त बैंक खाता खोलने तथा समलैंगिक संबंध वाले किसी व्यक्ति को नामित करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। मंत्रालय की ओर से लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल और ट्रांसजेंडर समुदाय (एलजीबीटीक्यू) के लिए यह सलाह 17 अक्टूबर, 2023 को दिए गए उच्चतम न्यायालय के एक आदेश के मद्देनजर जारी की गई है। वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग द्वारा जारी पारमर्श में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा 21 अगस्त, 2024 को सभी अनुसूचित जाति/जाति बैंकों को इस संबंध में स्पष्टीकरण भी जारी किया गया है। आरबीआई ने 2015 में बैंकों को निर्देश दिया था कि वे अपने सभी फॉर्मों और आवेदनों में एक अलग कॉलम शामिल करें, ताकि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को बैंक खाते खोलने और संबंधित सेवाओं का लाभ उठाने में मदद मिल सके। साल 2015 के आदेश के बाद कई बैंकों ने ट्रांसजेंडरों के लिए सेवाएं शुरू की हैं। इंग्लैण्ड स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने 2022 में विशेष रूप से ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए रेनबो सेविंग्स अकाउंट शुरू किया। इसमें उच्च बचत दरों और उन्नत बैंकिंग कार्ड सुविधाओं सहित कई सुविधाएं प्रदान की गई थीं।

अवनि लेखरा ने रचा इतिहास, पैरालंपिक खेलों में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं

पेरिस (एजेंसी)। अवनि लेखरा शुक्रवार को यहां महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल (एसएच1) स्पर्धा में जीत के साथ दो पैरालंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। वहीं इसी प्रतियोगिता में उनकी हमवतन मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक जीता।



दोनों पैरालंपिक में निशानेबाजी में पदक जीतने वाली देश की पहली महिला निशानेबाज बनीं थीं। निशानेबाजी में एसएच1 श्रेणी में ऐसे एथलीट शामिल होते हैं जिनकी भुजाओं, घड़ों, निचले हिस्से, पैरों की गति प्रभावित होती है या

ऐतिहासिक पदक जीत बोली अवनि लेखरा - अभी दो और पदक लाने हैं

शेरादार। ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पैरा निशानेबाज अवनि लेखरा का ध्यान पेरिस पैरालंपिक में और अधिक पदक जीतने पर लगा है और उनका कहना है कि वह अपनी बची हुई दो स्पर्धाओं में भी पौडियम पर आना चाहती हैं। अवनि शुक्रवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल (एसएच1) निशानेबाजी स्पर्धा लगातार दो पैरालंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गईं। तीन साल पहले टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली 22 वर्षीय अवनि ने शानदार 249.7 अंक हासिल कर तीन साल पहले के अपने ही पैरालंपिक रिकॉर्ड 249.6 को तोड़ दिया। अवनि ने ऐतिहासिक जीत के बाद कहा कि यह बहुत करीबी फाइनल था। पहले, दूसरे और तीसरे स्थान के लिए बहुत कम अंतर था। लेकिन मैं नतीजों के बजाय अपने विचारों पर ध्यान लगा रही थी। इस चैम्पियन निशानेबाज ने कहा कि मुझे खुशी है कि इस बार भी एरीना में बजने वाला फला राइटान भारत का राष्ट्रगान था। मुझे अभी 2 और स्पर्धाओं में हिस्सा लेना है इसलिए मैं देश के लिए और पदक जीतने पर ध्यान लगाए हू। वहीं अवनि के साथ कांस्य पदक जीतने वाली मोना अग्रवाल ने कहा कि काफी मुश्किल था लेकिन मैं सफल रही। इसीलिए शुक्रिया। अवनि के साथ सहनशील रूप से मदद की। वह एक चैम्पियन हैं और वह मुझे प्रेरित करती हैं। मोना (37 वर्ष) ने निशानेबाजी से पहले गोला फेंक, पारालिंपिग और वीलचेयर वॉलीबॉल सहित कई खेलों में हाथ आजमाया था। वह 228.7 अंक से कांस्य पदक जीतने में सफल रही।

पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारत की शीतल ने बनाया नया विश्व रिकार्ड



पेरिस (एजेंसी)। भारत की 16 साल की तीरंदाज शीतल देवी ने पेरिस पैरालंपिक में एक नया रिकार्ड बनाया है। शीतल ने तीरंदाजी के क्लॉसिफिकेशन राउंड में 703 अंक हासिल किया। ये इन खेलों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। शीतल ने पहले दौर में 59, 59, 58, 56, 59, 57 का स्कोर किया जबकि दूसरे में उन्होंने 60, 57, 60, 59, 60, 59 का स्कोर किया। अब शीतल का लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना है। शीतल ने महिला व्यक्तिगत कंपाउंड आर्ची के क्लॉसिफिकेशन में 720 में से 703 अंक हासिल किए। इसके साथ ही वह 698 अंक के अपने पिछले विश्व रिकार्ड से आगे निकल गयी हैं। शीतल ओवरऑल किंगडम राउंड में दूसरे स्थान पर रही। उन्हें

अगले दौर में बाई फिलो है और अब वह 31 अगस्त को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उतरेगी। इस इवेंट में भारत की शरिता ने 682 का स्कोर किया और उसे 9 वां स्थान मिला। भारत ने पेरिस पैरालंपिक में 84 खिलाड़ियों का सबसे बड़ा दल भेजा है। शीतल के अलावा बैडमिंटन में 8 भारतीय खिलाड़ी जीते हैं। निशानेबाज सुहास यथियव (एसएल4), सुकांत कदम (एसएल4), तरुण (एसएल4), नितेश कुमार (एसएल3), फलक कोहली (एसएल4), तुलसीप्रसाद मुकुंज (एसयू5), मनीष गण्डम (एसयू5) और निरुष श्रीसुमति सिवान (एसएच6) ने पहले दौर के अपने-अपने मैच जीत लिए हैं।

चैपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का पाकिस्तान जाना तय! इस पूर्व पाकिस्तान खिलाड़ी ने किया दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैपियंस ट्रॉफी 2025

पाकिस्तान की मेजबानी में खेला जानी है। लंबे समय बाद टूर्नामेंट की वापसी हो रही है। टूर्नामेंट 19 फरवरी से 9 मार्च के बीच पाकिस्तान में खेला जाएगा। हालांकि टीम इंडिया टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान का दौर करेगी या नहीं। ये अभी एक सवाल बना हुआ है, इसी बीच पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी राशिद लतीफ की तरफ से दावा करते हुए कहा गया कि टीम इंडिया का पाकिस्तान आना 50 फीसदी तय है। राशिद लतीफ ने जय शाह के आईसीसी चेयरमैन बनने के बाद ये दावा किया कि उन्होंने कहा कि जय शाह को आईसीसी चेयरमैन बनने में पाकिस्तान का भी सपोर्ट मिला है। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए राशिद लतीफ ने कहा कि, अगर जय शाह निर्वाचन चुने गए हैं, तो इसका मतलब है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी सपोर्ट मिला है। उन्होंने आगे कहा कि, 50 फीसदी पक्का हो गया है कि टीम इंडिया पाकिस्तान आ रही है। इसके अलावा पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी ने जय शाह के बारे में बात करते हुए कहा कि, जय शाह का काम अब तक फायदेमंद रहा है, फिर चाहे वह बोसोसीआई के लिए



हो या आईसीसी के लिए, बता दें कि जय शाह आईसीसी के चेयरमैन बन चुके हैं और 1 दिसंबर से वह अपने पद का कार्यभार सभालेंगे। वहीं कई मीडिया रिपोर्ट्स से यह पता चला है कि टीम इंडिया चैपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का दौर करने के मूड में नहीं दिख रही है। हालांकि, कई रिपोर्ट्स में हाईडिबल मॉडल को लेकर भी बात की गई है। बताया गया कि टीम इंडिया चाहती है कि टूर्नामेंट में उनके मुकाबले किसी न्यूट्रल वेंच्यूर पर हाईडिबल मॉडल के तहत हों, हालांकि अब तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

राहुल नीलामी में उतरेगे तो उन्हें खरीद सकती हैं ये तीन टीमें



मुंबई। आईपीएल के अगले सत्र में केएल राहुल के लखनऊ सुपर जायंट्स को छोड़कर किसी अन्य टीम में जाने की संभावनाएं जतायी जा रही हैं। इसका कारण है कि पहले दो सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स उनकी कप्तानी में लेऑफ में पहुंची पर साल 2024 में उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। ऐसे में माना जा रहा है कि उन्हें शायद ही टीम में बरकरार रखा जाये। ऐसे में अगर उन्हें रितीज किया जाता है तो राहुल को कई टीम शामिल करने को तैयार रहेगी। ये टीमें हैं पंजाब किंग्स, आरसीबी और गुजरात टाइटंस।

एमएस धोनी को आईपीएल 2025 में खेलना चाहिए, सुरेश रैना ने बताई बड़ी वजह

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व ऑलराउंडर सुरेश रैना चाहते हैं कि एमएस धोनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में खेले क्योंकि टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में उनकी बल्लेबाजी शानदार रही थी। आईपीएल 2024 के ओपनर मुकाबले से पहले कप्तानी छेड़ने वाले धोनी को आईपीएल 2024 में फिनिशर के तौर पर खेला गया था, जहां उन्होंने 14 मैचों में 220.25 की स्ट्राइक रेट से 161 रन बनाए थे और उनका उच्चतम स्कोर नबाद 37 रन था। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आईपीएल 2024 के ओपनर मुकाबले से पहले रतुगण गायकवाड़ को चेन्नई स्थित फेंचइजी का नया कप्तान नियुक्त किया गया था। रैना ने स्पष्टता से कहा, 'मैं चाहता हूँ कि एमएस धोनी आईपीएल

2025 में खेले, क्योंकि पिछले साल उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की थी। मुझे लगता है कि रतुगण गायकवाड़ को एक और साल की जरूरत है, जिस तरह से उन्होंने कप्तानी की और आरसीबी से हार के बाद बहुत सी बातें कही थीं। हालांकि, रतुगण ने शानदार प्रदर्शन किया है। आईपीएल 2024 में सीएसके की हार के बाद कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं कि कौन खिलाड़ी एमएस धोनी का यह आखिरी आईपीएल होगा, लेकिन भारत के पूर्व कप्तान ने अभी तक कुछ भी नहीं कहा है। इस महौले की शुरुआत में हैदराबाद में एक कार्यक्रम में धोनी ने कहा था कि नए नियमों और विनियमों की घोषणा के बाद वह अपने आईपीएल करियर पर फैसला लेंगे। उन्होंने कहा, 'इसके लिए अभी बहुत समय है। हमें देखना होगा कि वे खिलाड़ी को बनाए रखने



आदि पर क्या निर्णय लेते हैं। अभी मेरे हमारे पाले में नहीं है। इसलिए, एक बार नियम और विनियम औपचारिक हो जाने के बाद मैं फैसला लूंगा, लेकिन यह टीम के सर्वोत्तम हित में होना चाहिए।

जो रूट ने फिर जड़ा शतक, फैब-4 की रेस में सबसे आगे, सचिन तेंदुलकर के 2 वर्ल्ड रिकॉर्ड टूटने की कगार पर

स्पोट्स डेस्क। श्रीलंका के खिलाफ लासर्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में भी इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज जो रूट ने शतक जड़ा दिया। 33 साल के जो शतक है। वहीं पिछले चार सालों में रूट का ये 16वां शतक है। इसके साथ ही जो रूट अब फैब-4 में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में जो रूट ने 206 रन में 143 रनों की पारी खेली। इस दौरान रूट के बल्ले से 18 चौके निकले। 50 के अंदर दो और 100 के भीतर तीन विकेट गिरने के बाद रूट एक छोर पर चढ़न बन गए। इस तरह खरब शुरूआत के बाद भी इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट के पहले दिन सात विकेट पर 35.8 रन बना लिए।



2021 से तक जो रूट शतकों के मामले में फैब-4 में चौथे नंबर पर थे। फिर 2021 में रूट के बल्ले से 6 शतक निकले। इसके बाद अगले साल यानी 2022 में रूट ने पांच शतक जड़ा खले। हालांकि, 2023 जो रूट के लिए

शतकों के साथ पहले नंबर पर है। वहीं, न्यूजीलैंड के केन विलियमसन के नाम 32 शतक हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ भी 32 शतक लगा चुके हैं। भारत के विराट कोहली के नाम 29 शतक हैं। फिलहाल, रूट को नजर सचिन तेंदुलकर के दो वर्ल्ड रिकॉर्ड पर है। पहला टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड, और दूसरा टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतकों का रिकॉर्ड, सचिन के नाम 15921 रन और 51 शतक हैं। वहीं रूट के नाम अभी 12274 रन और 33 शतक हैं। टेस्ट क्रिकेट में अभी सबसे ज्यादा रन बनाने का मामले में रूट सातवें नंबर हैं। हालांकि, 199 रन और बनाते ही वह टॉप 5 में शामिल हो जाएंगे।

जसप्रीत बुमराह को सबसे घातक बल्लेबाज कौन लगता है? भारतीय तेज गेंदबाज ने दिया मजेदार जवाब



स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) स्वामी वाटवट द्वारा सॉर्ट प्रिंटिंग प्रेस, बी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित काकाका कार्यालय मकान नंबर 2, निवार सेक्टर-61, किलेज मलेनवा, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कुष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, निवार सेक्टर-61, किलेज मलेनवा, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा)। पौआपपी एक के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: ब्रह्मदेव शर्मा, 9818180269, ईमेल: krishna24news@gmail.com

मुम्बई (एजेंसी)। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मौजूदा समय में विश्व के बेस्ट तेज गेंदबाज हैं और इसमें कोई शक भी नहीं है। लेकिन क्या बुमराह को गेंदबाजी के दौरान किसी बल्लेबाज से डर लगता है? तो इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि सच तो ये है कि कोई भी बल्लेबाज भरे दिमाग पर हावी नहीं हो सकता है। बुमराह चेन्नई के कॉलेज फंक्शन में बातचीत के दौरान बुमराह से पूछा गया कि आपको गेंदबाजी के दौरान सबसे घातक

बल्लेबाज कौन लगता है? जवाब में बुमराह ने कहा, 'मैं इस सवाल का अच्छा जवाब देना चाहता हूँ। सच तो ये है कि कोई भी बल्लेबाज भरे दिमाग पर हावी नहीं हो सकता है। मैं किसी को खुद पर हावी नहीं होने देता हूँ। मैं सभी बल्लेबाजों का सम्मान करता हूँ, लेकिन मन ही मन मैं खुद से बात करते हुए कहता हूँ कि यदि मैं अपना काम सही से करूंगा तो दुनिया में कोई भी ऐसा खिलाड़ी नहीं है जो मुझे रोक सके। मैं विरोधी खिलाड़ी के बनाए खुद को देखता हूँ। हर चीज पर मेरा कंट्रोल है और अगर मैं खुद को सबसे

अच्छ बनाने का मौका देता हूँ, तो बाकी सभी चीजें अपने आप ठीक हो जाएगी।' गौर हो कि टी20 विश्व कप 2024 के बाद से बुमराह ने अभी तक एक भी मुकाबला नहीं खेला है। वह खूब पर है। टी20 विश्व कप 2024 अभियान के बाद भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे और श्रीलंका का दौरा किया था, बुमराह दोनों ही दौर पर टीम के साथ नजर नहीं आए थे। अब भारतीय टीम बांग्लादेश के साथ सीरीज खेलती हुई नजर आएगी और युज्वे के मुताबिक बुमराह इस सीरीज से भी दूर रहेंगे।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट का पहला दिन बारिश से धुला



रावलपिंडी (एजेंसी)। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट मैच का शुक्र आती दिन शुक्रवार को लगातार बारिश के कारण धुल गया। बांग्लादेश दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे है। उसने पिछले सप्ताह इसी स्थान पर 10 विकेट की ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। इस मैच में पाकिस्तान की दूसरी पारी पांचवें और अंतिम दिन महज 146 रन पर सिमट गई थी। तेज बारिश के कारण खिलाड़ी और टीम अधिकारी को होटल में ही रुके रहे और अंपायरों ने स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:30 बने दिन का खेल रद्द कर दिया। भारी बारिश के कारण मैदान का आउटफोल्ड नलमन है। दोनों टीमों में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप तालिका में सबसे निचले स्थान पर काबिन वेस्टइंडीज से टेक ऊपर है। इसमें बांग्लादेश सातवें स्थान पर और पाकिस्तान आठवें स्थान पर है। पिछले साल शान मसूद को कप्तान बनाए जाने के बाद से लगातार चार टेस्ट मैच हार चुके पाकिस्तान ने दिसंबर 2021 में दक्षिण अफ्रीका को हारने के बाद से एक भी फेरलु टेस्ट नहीं जीता है। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गये चार टेस्ट मैच हार चुके थे। पाकिस्तान ने अपनी 12 सदस्यीय टीम में तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को बाहर कर दिया और लोग सिमर अब्दुल अहमद के साथ एक और बार हाथ के सिमर मीर हमजा को इसमें शामिल किया है।

शूटिंग में भारत को एक और पदक, मनीष नरवाल ने जीता सिल्वर मेडल

स्पॉट्स डेस्क। टोक्यो खेलों के स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज मनीष नरवाल ने शुक्रवार को पेरिस पैरालंपिक में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल (एसएच1) स्पर्धा में रजत पदक जीतने में सफल हो गईं। 22 वर्षीय नरवाल ने टोक्यो में 50 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था, काफ़ी समय तक बंद बनाए हुए



थे, लेकिन लगातार खराब स्कोर के कारण वह पिछड़ गए और अनुभवी दक्षिण कोरियाई निशानेबाज जो जोंगडू के सामने बंदत हासिल कर लीं। भारतीय पिस्टल निशानेबाज शिवा नरवाल के बड़े भाई नरवाल ने 234.9 का स्कोर किया, जबकि जोंगडू ने 237.4 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। इसी साल पेरिस पैरालंपिक में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल (एसएच1) स्पर्धा में जीत के साथ दो पैरालंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। वहीं इसी प्रतियोगिता में उनकी हमवतन मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक जीता। भारत ने अब तक पैरालंपिक में चार पदक अपने नाम कर लिए हैं।

पेरिस पैरालंपिक 2024 के लिए गुगल ने बनाया डूडल



पेरिस। सर्व डूडल गुगल हमेशा ही बड़े अवसरों पर अपने डूडल पेश करता रहा है। इसी कड़ी में अब गुगल ने पेरिस पैरालंपिक खेलों के लिए व्हीलचेयर बार्सेटबॉल का डूडल बनाकर उसको प्रति अपना सम्मान और समर्थन दिखाया है। व्हीलचेयर बार्सेटबॉल दुनिया के 108 से अधिक देशों में खेला जाता है। इस खेल की दूसरी विश्व युद्ध के बाद हुई थी। इसका लक्ष्य घायल सैनिकों का पुनर्वास और उन्हें अवसरों से बाहर निकालना था। इस खेल को खिलाड़ी व्हीलचेयर की मदद से खेलते हैं। इसीलिए इसे व्हीलचेयर बार्सेटबॉल कहा जाता है। अंतरराष्ट्रीय व्हीलचेयर बार्सेटबॉल फेडरेशन के अनुसार, यह खेल पहली बार 1945 में संयुक्त राज्य अमेरिका के दो अस्पतालों में खेला गया था। गुगल ने पेरिस पैरालंपिक 2024 के अवसर पर अपने डूडल पर इस खेल को प्रदर्शित किया है। इस डूडल पर जाकर व्हीलचेयर बार्सेटबॉल मैचों का कार्यक्रम देखा जा सकता है। पैरालंपिक में व्हीलचेयर बार्सेटबॉल सबसे पहले 1960 में रोम खेलों में शामिल किए गए थे। रोम पैरालंपिक में कुल आठ खेल हुए थे, जिनमें व्हीलचेयर बार्सेटबॉल भी शामिल था। वहीं रोम पैरालंपिक में व्हीलचेयर बार्सेटबॉल में दो मुकाबले हुए थे।

स्टार हॉकी प्लेयर जॉनी गौड्रेउ और उनके भाई मैथ्यू की मौत

स्पॉट्स डेस्क। अमेरिकी हॉकी स्टार जॉनी गौड्रेउ और उनके भाई मैथ्यू की अकल्पनीय त्रासदी के बाद मौत हो गई है, कोलंबस ब्लू जैकेट्स ने शुक्रवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से घोषणा की। टीम ने एवस पर एक पोस्ट में भाइयों की मौत की पुष्टि की, लेकिन घटना के बारे में कोई अन्य विवरण जारी नहीं किया गया है। एनएचएल कमिश्नर गैरी बेटमैन ने भी जॉनी गौड्रेउ के निधन के बारे में एक बयान जारी किया जिसमें कहा गया कि वह सिरफ एक शानदार हॉकी खिलाड़ी नहीं थे, वह एक प्यार करने वाले पिता और प्यारे पति, बेटे, भाई और टीम के साथी थे, जिन्होंने अपने रास्ते में आने वाले हर भाग्यशाली व्यक्ति को अपना दीवाना बना लिया। 31 वर्षीय गौड्रेउ जुलाई 2022 में कैलगरी फ्लेमिंग से अप्रतिबंधित फ्री एजेंट के रूप में हस्ताक्षर करने के बाद ब्लू जैकेट्स के शीर्ष फॉरवर्ड थे। एक लोकप्रिय विवाह साइट पर पोस्ट के अनुसार गौड्रेउ और उनके भाई को शुक्रवार को फिलाडेल्फिया में अपनी बहन की शादी में शामिल होना था। गौड्रेउ के अपनी पत्नी मेरेडिथ के साथ दो छोटे बच्चे थे, एक बेटा, नोआ और बेटा जॉनी और दोनों का जन्म कोलंबस में हुआ था।



मुझे मालूम था कि तलाक बच्चों के लिए कितना मुश्किल होता है: फरहान

बालीवुड के मशहूर लेखक और गीतकार जावेद अख्तर के बेटे फरहान अख्तर ने हाल ही में एक साक्षात्कार में अपनी व्यक्तिगत जिन्दगी को लेकर खुलकर बातचीत की है। फरहान बताया कि उनके माता-पिता के तलाक का उन पर और उनकी पत्नी अघुना भवानी के साथ शादीशुदा जिन्दगी पर क्या असर पड़ा। फरहान ने कहा कि वो समय मुश्किल था क्योंकि मैं खुद तलाकशुदा पैरेंट्स का बच्चा था। मुझे मालूम था कि तलाक बच्चों के लिए कितना मुश्किल होता है। मेरे अंदर से हमेशा एक आवाज आती थी कि मैं अपने बच्चों के साथ ऐसा नहीं कर सकता हूँ। फिर इस फैसले का एक ऐसा मोड़ आया जब मैंने और अघुना ने उनसे साफ-साफ अपने तलाक के बारे में बात की। मैंने अपने बच्चों को बताया कि हम उनकी वजह से अलग नहीं हो रहे हैं, न वे इसकी वजह हैं और न ही उन्होंने ऐसा कुछ किया है जिसकी वजह से हम दोनों अलग हो रहे हैं। हमारे इस फैसले से बच्चों का कुछ लेना-देना नहीं था। वो दो बड़े लोगों की आपसी बात थी। एक दोस्त के तौर पर हमने ये फैसला लिया था कि हम ये करना चाहते हैं और यही हम सबके लिए सबसे अच्छा होगा। हालांकि आज भी मेरे अंदर से एक आवाज आती है कि क्या मेरे बच्चों के साथ ऐसा होना चाहिए था। शायद ये एक ऐसा अहसास है जिसके साथ ही मुझे जीना होगा। मेरे साथ बचपन में ऐसा ही हुआ था इसी वजह से अब मुझे ऐसा महसूस होता है। बता दें फरहान और अघुना ने साल 2000 में शादी की थी और वे साल 2017 में अलग हो गए। उनके दो बेटियाँ शाक्या और अकिरा हैं। फरहान ने साल 2022 में शिबानी दांडेकर के साथ दूसरी शादी कर ली। उल्लेखनीय है कि फरहान के पिता जावेद अख्तर ने साल 1972 में हनी ईरानी के साथ शादी की थी। उनके बेटे जोया अख्तर भी हैं। जावेद-हनी ने साल 1985 में तलाक ले लिया। जावेद ने साल 1984 में एक्ट्रेस शबाना आजमी के साथ दूसरी शादी की थी।



अल्फा की शूटिंग के लिए कश्मीर जा रही शरवरी वाघ

कश्मीर में एक्शन फिल्म अल्फा की शूटिंग से पहले अभिनेत्री शरवरी वाघ ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं। इसमें वह वर्कआउट करती नजर आ रही हैं। उन्होंने इसे कैप्शन दिया अल्फा स्टेट ऑफ माइंड। अभिनेत्री फिल्म अल्फा के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग के लिए कश्मीर जा रही हैं। अभिनेत्री ने पहले कश्मीर में शूटिंग करने के लिए अपनी उत्सुकता जताई थी। अपने आगामी शेड्यूल के बारे में शरवरी ने पहले कहा था, मैं कश्मीर में अल्फा की शूटिंग का इंतजार नहीं कर सकती हूँ। मैं रोमांचित हूँ कि यह एक बहुत ही रोमांचक शेड्यूल होने वाला है। अल्फा टीम कुछ समय बाद मिलने वाली है। हम सभी कश्मीर शेड्यूल शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि किसी के करियर में इतनी जल्दी ऐसा अवसर मिलना वारंवार एक आशीर्वाद है। इस फिल्म में बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री आलिया भट्ट भी एक्शन करती हुई दिखाई देंगी। शरवरी वर्तमान में 'मुज्जा' की सफलता का आनंद ले रही हैं, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये कमाए। उन्हें 'महाराज' और 'वेदा' में भी देखा गया था। वेदा में उनके साथ जॉन अब्राहम मुख्य रोल में हैं। निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक दलित लड़की पर केंद्रित है, जिसे उच्च जाति द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है और अभिमन्यु उसके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कश्मीर में एक्शन फिल्म अल्फा की शूटिंग से पहले अभिनेत्री शरवरी वाघ एक्शन मोड में हैं। वह इस फिल्म में भूमिका निभाएंगी।

कियारा बगैर हिच - किचाहट नए ट्रेंड अपनाती हैं: सिद्धार्थ मल्होत्रा



अपनी अभिनेत्री-पत्नी कियारा आडवाणी को लेकर बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कहा है कि उनका फैशन सेंस बोल्ट और एडवेंचरस है। उन्होंने कहा कि कियारा अपनी स्टाइल के साथ अपनी विशिष्ट पहचान बनाए रखती हैं। सिद्धार्थ ने कहा, वह बिना किसी किचकिचाहट के नए ट्रेंड अपनाती हैं और रंगों को इस्तेमाल करने से भी किचकिचाती नहीं हैं। उनका स्टाइल काफी रौमरस है। वह अपनी मजबूत व्यक्तिगत पहचान बनाए रखती हैं। सिद्धार्थ ने 2012 में स्टूडेंट ऑफ द ईयर से अपने करियर की शुरुआत की थी और बाद में एक विलेन और शेरशाह जैसी हिट फिल्मों में देखे गए। फैशन मॉडल के तौर पर अपना करियर शुरू करने वाले सिद्धार्थ ने कहा, मैं यह चुनिंदा करता हूँ कि हर काम पर एक्शन के साथ हो। सिद्धार्थ और कियारा ने 2020 में डेटिंग शुरू की थी। शेरशाह के सेट पर दोनों की मुलाकात हुई और प्यार हो गया। उन्होंने 2023 में राजस्थान में शादी कर ली।

सिद्धार्थ ने 2010 में माई नेम इज खान में करण जोहर के सहायक निर्देशक के तौर पर शुरुआत की। उन्होंने 2012 में फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से डेब्यू किया। इसके बाद उन्हें हरी तो फरी, एक विलेन, कपूर एंड संस, ए जेटलमैन, अर्यारी, जबरिया जोड़ी जैसी कई फिल्मों में देखा गया। उन्होंने शिल्पा शेठ्टी और विवेक ओबेरॉय अभिनीत डिजिटल थ्रिलर सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स से ओटीटी पर डेब्यू किया।

वास्तविक समानता हासिल कर लें तो हर दिन जश्न होगा: काम्या पंजाबी

बालीवुड अभिनेत्री काम्या पंजाबी ने महिला समानता दिवस पर बात करते हुए कहा कि हम इसके बारे में बात करते हैं और इसका जश्न मनाते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि अगर हम वास्तविक समानता हासिल कर लें तो हर दिन एक जश्न होगा। यह किसी खास दिन या अवसर तक सीमित नहीं होगा। दुर्भाग्य से हमें समाज में अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है। लोग कहते हैं कि चीजें बदल गई हैं, लेकिन हम जानते हैं कि अभी भी भरोसे और विश्वास की कमी है। मुझे अवसर लगता है कि समानता का विचार उन लोगों के लिए एक मजाक है, जो असमानताओं को नहीं देख पाते। उन्होंने आगे कहा,



मनोरंजन उद्योग में यह और भी मुश्किल है। यहां लोग एक-दूसरे का समर्थन करने के बजाय अपना स्टेटस बनाए रखने पर अधिक ध्यान देते हैं। समर्थन की यह कमी और असुरक्षा हमें पीछे धकेल देती है। अभिनेत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम ऐसे क्षेत्रों में एक-दूसरे का समर्थन करना शुरू करें। मनोरंजन का मतलब दर्शकों का मनोरंजन करना है, लेकिन इसमें सामाजिक संदेश देने की भी शक्ति है। हमें एक-दूसरे का समर्थन करते हुए बेहतरीन चीजें बनाने के लिए एक साथ आने की आवश्यकता है। टेलीविजन शो में महिलाओं के काम को लेकर काम्या ने कहा, एक समय था जब महिलाओं को अवसर कमजोर दिखाया जाता था, इसके बावजूद भी वह अपने दम पर दृढ़ रहते हुए अपने परिवार का समर्थन करने में कामयाब रही। उन्होंने आगे कहा, मेरा किरदार मोहिनी बहुत ही मजबूत और दृढ़ निश्चयी है। मेरा शो इसक जबरिया भी दो महिलाओं के बीच के संघर्ष को दिखाता है कि कैसे वे कभी-कभी एक-दूसरे को नीचा दिखा सकती हैं। इसके अलावा शो का मुख्य किरदार गुलकी (सिद्धि शर्मा) एक मजबूत महिला है जो हार नहीं मानती और अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए हमेशा तैयार रहती है। उन्होंने कहा कि समय बहुत बदल गया है, और अब हम स्त्रीन पर महिलाओं को शक्तिशाली रूप में देख सकते हैं। टेलीविजन पर किसी भी नायिका को देखें, वह कभी हार नहीं मानती, कभी हिम्मत नहीं हारती और आगे बढ़ती रहती है।

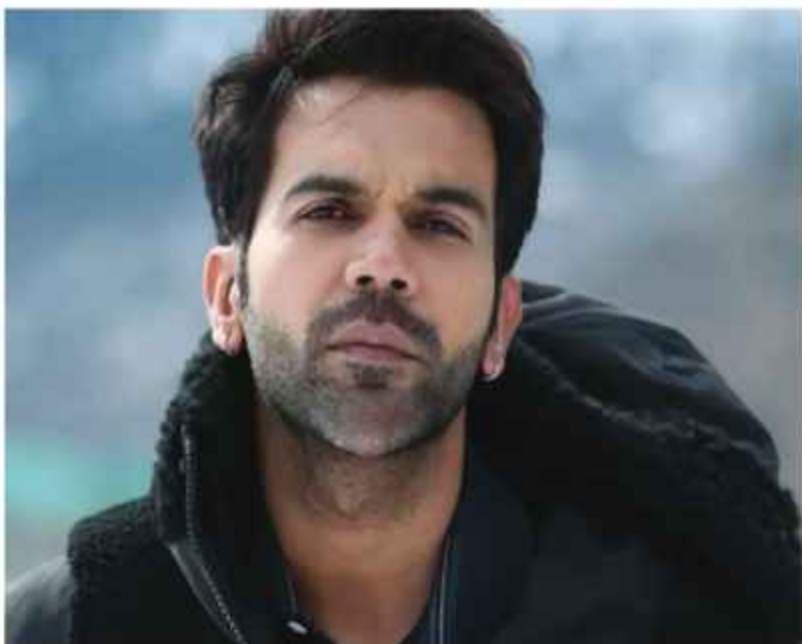
मुझे नहीं लगता अब मैं दोबारा शादी कर पाऊंगा: आमिर खान

एक्टर ने कहा-मैं फिर से अपनी फैमिली से जुड़ गया हूँ

हाल ही में बालीवुड एक्टर आमिर खान अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के पॉइंडकार्ट में गए थे, जहां पर उनसे तीसरी शादी करने के बारे में सवाल पूछा गया। इस पर आमिर ने साफ तौर पर कहा कि शादी एक फैसला है जिसे 2 लोग मिलकर रंगते हैं और रही मेरी शादी की बात तो मैं अब 59 का हो गया हूँ। मुझे नहीं लगता अब मैं दोबारा शादी कर पाऊंगा। मुश्किल लग रहा है। मेरी जिंदगी में इस तक बहुत सारे रिश्ते हैं। मैं फिर से अपनी फैमिली से जुड़ गया हूँ। मेरे बच्चे, भाई और बहने हैं। मैं उन लोगों के साथ खुश हूँ जो मेरे करीब हैं। मैं एक बेहतर इंसान बनने की तय्यक काम कर रहा हूँ। ज्ञातव्य है कि आमिर की पहली शादी रीना दत्ता के साथ हुई थी। फिल्मों में आने से पहले ही उन्होंने रीना के साथ शादी कर ली थी। यह प्रेम विवाह था। शादी के बाद उनकी बतौर नायक पहली फिल्म कयामत से कयामत तक थी, जिसे उनके चचेरे भाई मंसूर खान ने निर्देशित किया था। आमिर-रीना की शादी 16 साल चली। उनके दो बच्चे आयरा और जुनेद हैं। आयरा की हाल ही में शादी हुई है और जुनेद ने अपना फिल्म करियर अब शुरू किया है। आयरा की जनवरी में फिटनेस ट्रेनर नूपुर शिखरे के साथ शादी हुई है, जबकि जुनेद ने पिछले दिनों 'महाराज' फिल्म के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था। आमिर ने रीना से अलग होने के बाद आमिर ने फिल्ममेकर किरण राव के साथ शादी की थी। उनका एक बेटा आजब है। किरण और आमिर ने साल 2021 में अलग होने का फैसला ले लिया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके तलाक की अनाउंसमेंट की थी। आमिर हालांकि अपनी दोनों पूर्व पत्नियों और बच्चों के साथ आज भी दिल से जुड़े हुए हैं। आमिर ने अपने साक्षात्कार में बताया कि कोविड-19 और लॉकडाउन के दौरान उन्हें बेठोकर सोचने और अपने लाइफ को जानने का बहुत समय मिला। उन्हें अहसास हुआ कि वे पिछले 30 सालों से अपने काम में कैसे मशगूल हो गए थे कि उन्होंने अपने परिवार और बच्चों के साथ टाइम बिताना मिस कर दिया। इसके चलते उन्हें खुद पर गुस्सा आया। आमिर ने कहा कि मैं काम की वजह से अपने परिवार को नजरअंदाज करने से इतने दुखी और गिल्ट से भर गया था कि मैंने पूरी तरह से फिल्म छोड़ने का फैसला किया। मैंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी बेचने की कोशिश की लेकिन मुझे खरीदार नहीं मिले, यहां तक कि मेरा बेटा जुनेद भी ऐसा नहीं चाहता था। बाद में किरण और बच्चों ने आमिर को काम और परिवार के बीच संतुलन बनाने के लिए मना लिया। आमिर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे आखिरी बार साल 2022 में 'लाल सिंह चड्ढा' मूवी में करीना कपूर खान के साथ नजर आए थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। अब आमिर जल्द ही 'सितारे जमीन पर' फिल्म में दिखेंगे। ये डाउन सिंड्रोम बीमारी पर आधारित है। फिल्म में आमिर के साथ रिशे देशमुख की पत्नी जेनेलिया क्रिस्ना भी हैं। बता दें कि आमिर खान अपनी फिल्मों के साथ अपनी निजी जिन्दगी को लेकर भी चर्चाओं में रहते हैं। अपनी जिन्दगी में उन्होंने दो बार शादी की मगर आफसोस दोनों टूट गईं।



मेरा सबसे पसंदीदा सीन फाइनल कट में नहीं आया: राजकुमार राव



फिल्म रत्री 2 में विकी की भूमिका निभाने वाले राजकुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म की शूटिंग से एक अनदेखी तस्वीर शेयर की। अभिनेता ने फिल्म के मजेदार दृश्यों में से एक तस्वीर शेयर की। इसमें राव लड़की के कपड़ों में दिखाई दे रहे हैं। मगर यह सीन फाइनल कट में जगह नहीं बना पाया था। इंस्टाग्राम पर अभिनेता के 7.8 मिलियन फॉलोअर्स हैं। तस्वीर में हम उन्हें लाल रंग के चमकदार टॉप, गोल्डन जैकेट और छोटी बैंगनी रंग की चमकदार रकट पहने हुए देख सकते हैं। उन्होंने लंबे बालों वाली विंग और हील्स पहनी हुई हैं। पोस्ट का शीर्षक है, फिल्म रत्री 2- सरकट का आतंक का मेरा सबसे पसंदीदा और मजेदार सीन जो फाइनल कट में नहीं आया। वया आप लोग फिल्म में ये सीन देखना चाहते हैं? आप सब बताइए। अभिनेता विजय वर्मा ने टिप्पणी की, हाहाहाह मैं इसे देखने के लिए पैसे दूंगा। निमरत कोर ने कहा, विकी प्लीज। फिल्म निर्माता मुनीत मोगा ने लिखा, हा, इसे देखने के लिए पैसे दूंगा। अमर कौशिक द्वारा निर्देशित, निरेन भट्ट द्वारा लिखित और मेडॉक फिल्म्स और जिथो स्टूडियो द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित यह फिल्म 2018 की फिल्म रत्री का सीकल है। फिल्म में श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना हैं। फिल्म में शमा के रूप में तमन्ना भाटिया भी विशेष भूमिका में हैं। फिल्म एड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से अभिनय की पढ़ाई करने वाले राजकुमार ने 2010 में एंथोलॉजी फिल्म लव सेवस और घोखा से अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्हें गैंग्स ऑफ वासेपुर पार्ट 2 और तलाश-द आंसर लाइव विडिन फिल्मों में सहायक भूमिकाओं में देखा गया था। उन्हें 2013 में काई पो वे, और शाहिद फिल्मों से सफलता मिली। शाहिद में वकील शाहिद आजमी की भूमिका निभाने वाले राव ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। वह डॉली की डॉली, क्रीन, सिटीलाइट्स, अलीपट्ट, बरेली की बर्फी, शादी में जरूर आना, ओमेगा, लुबो, भीड, श्रीकांत और मिस्टर एंड मिसेज माही जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। राजकुमार के पास अगली फिल्म विकी विद्या का वो वाला वीडियो और भूल चुक माफ है। बता दें कि इन दिनों अभिनेता राजकुमार राव अपनी हाल ही रिलीज हुई फिल्म रत्री 2- सरकट का आतंक की सफलता का आनंद ले रहे हैं।

केबीसी 16 में अमिताभ ने की पंकज की प्रशंसा

हाल ही में बिग बी ने केबीसी के सेट से फिल्म रत्री 2 के एक एक्टर की जमकर तारीफ की है और बिग बी ने खुलासा किया कि वे इस एक्टर की सारी फिल्में देखते हैं। बिग बी ने केबीसी 16 के एक हालिया एपिसोड में रत्री 2 के एक्टर पंकज त्रिपाठी को लेकर एक सवाल किया। बिग बी ने पारस मणि नाम के एक कंटेस्टेंट से 20,000 रुपये के लिए सवाल किया था कि, पंकज त्रिपाठी ने फिल्म में अटल हूँ में इनमें से किसकी भूमिका निभाई है? इसके चार विकल्प सोलर, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और क्रिकेट थे, सही जवाब प्रधानमंत्री था। आगे बिग बी ने पंकज त्रिपाठी की जमकर तारीफ की। बिग बी ने बताया कि, पंकज त्रिपाठी जो हैं वो एक सक्षम कलाकार हैं हमारी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के। बहुत बढ़िया कलाकार हैं वो। उनकी जितनी फिल्में आती हैं हम देखते हैं और हम सीखते हैं, उनकी कला इतनी अच्छी है। जहां बिग बी हाल ही में ब्लॉकबस्टर फिल्म कलिक में नजर आए थे तो वहीं पंकज इन दिनों ब्लॉकबस्टर हो चुकी फिल्म रत्री 2 में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर लीड रोल में नजर आ रहे हैं। वहीं पंकज के अलावा अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना अभी अहम रोल निभा रहे हैं। 15 अगस्त को रिलीज हुई रत्री 2 बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा रही है। फिल्म ने भारत में 12 दिनों के अंदर 422 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है, जबकि वर्ल्डवाइड फिल्म की कमाई 589 करोड़ रुपये हो चुकी है। बता दें कि हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन की पुरी दुनिया दीवानी है। अमिताभ बच्चन ने दुनियाभर में अपने फैसले बनाए हैं और हर किसी का मनोरंजन किया है। आज 81 साल की उम्र में भी बिग बी लगातार काम कर रहे हैं। हाल ही में बिग बी अपनी ब्लॉकबस्टर हो चुकी फिल्म कलिक 2898 एड्री में नजर आए थे। फिलहाल बिग बी अपने फैसले का अपने किंग शे कोन बनाया करोड़पति 16 से मनोरंजन कर रहे हैं।

